फाल्गुन शुक्ल - 9 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 233 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 18-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'अश्विन ने चुनौतियों को प्रगति पर अंकुश नहीं लगाने दिया'

6 क्यों जरूरी है श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत?

7 पर दो दलों को विभाजित कर लौट आया : फडणवीस

फर्स्ट टेक

दत्तात्रेय होसबाले पुनः आरएसएस के सरकार्यवाह चुने गए

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने रविवार को दत्तात्रेय होसबाले को पुन: सरकार्यवाह निर्वाचित किया। आरएसएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि होसबाले 2021 से सरकार्यवाह हैं और उन्हें 2024 से 2027 तक की अवधि के लिए पुन: इस पद पर चुना गया है। आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की शुरुआत यहां रेशिमबाग में स्मृति भवन परिसर में शुक्रवार को हुई। नागपुर में संघ मुख्यालय में छह साल के बाद यह बैठक हो रही है।

कांगो में हमले में आठ शांति सैनिक घायल

गोमा/एजेन्सी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के कम से कम आठ शांति सैनिक (मोनुस्को) शनिवार को एक हमले में घायल हो गए। मोनुस्को ने शनिवार देर रात प्रकाशित एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह हमला पूर्वी प्रांत उत्तरी किवु की राजधानी गोमा से लगभग 20 किमी दूर स्थित साके शहर में हुआ। मोनुस्को की प्रमुख बिंटो कीता ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि पीड़ितों में से एक गंभीर रूप से घायल हो गया। ब्लू हेलमेट को कई हफ्तों से उत्तरी किवु में ऑपरेशन स्प्रिंगबॉक के हिस्से के रूप में तैनात किया गया है, जहां मोनुस्को और डीआरसी सशस्त्र बल (एफएआरडीसी) सशस्त्र समूहों, विशेष रूप से 23 मार्च आंदोलन (एम23) के विद्रोह का मुकाबला करने के लिए संयुक्त कार्रवाई कर रहे हैं।

वॉशिंगटन डीसी में रात भर हुई गोलीबारी में दो की मौत, पांच घायल

वाशिंगटन/एपी। वाशिंगटन डीसी में रविवार तड़के हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग के कार्यकारी सहायक प्रमुख जेफरी कैरोल ने मौके पर पहुंचकर मीडिया को जानकारी दी कि अधिकारियों ने सुबह तीन बजे के आसपास सातवें और पी स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट से जुड़े चौराहे के पास गोलीबारी की सूचना दी। कैरोल ने कहा सात लोगों को एक ही स्थान पर गोली मार दी गई और जीवित बचे पांच घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कैरोल ने गोलीबारी के बारे में जानकारी जुटाने में जनता से सहायता मांगी। मेट्रोपोलिटन पुलिस के एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि विभाग के पास एक संदिग्ध के पैदल चलने की जानकारी थी।

18-03-2024 सूर्यास्त 6:30 बजे | 19-03-2024 सूर्योदय 6:24 बजे

BSE	NSE
72,643.43	22,023.35
(-453.85)	(-123.30)

सोना	चांदी
6,807 रु.	76,466 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शाही स्नान

शाही स्नान है उनके ही,
जिनको मिल जाए विजय घाट।
गलमाल पड़ी हो भक्तों की,
मंत्री पद से चमके ललाट।
चमचों की चरण वंदना से,
व्यक्तित्व दिखे अद्भुत विराट।
आया चुनाव का महा कुंभ।
हर दल के दिखने लगे ठाट।।

बेंगलूरु बना नया चैंपियन

जीत के बाद बेंगलूरु की सड़कों पर आरसीबी आरसीबी के नारे लगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विमेंस प्रीमियर लीग

नई दिल्ली/एजेन्सी। श्रेयंका पाटिल, सोफी मोलिन्यू और सोभना आशा की घातक गेंदबाजी के बाद एलिस पेरी नाबाद 35 रन और सोफी डिवाइन 32 रनों की पारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु महिला ने रविवार को खेले गये विमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स महिला को आठ विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया है।

114 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिय 49 रन जोड़े। पहले विकेट के रूप में सोफी डिवाइन शिखा पांडे ने पगबाधा आउट किया। सोफी ने 27 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाये। दूसरे विकेट के रूप में कप्तान स्मृति मंधाना 31 रन बनाकर आउट हुई। एलिस पेरी ने 37 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद 35 रनों की धैर्यपूर्ण पारी खेली और ऋचा घोष 17 रन पर नाबाद रही। बेंगलूरु ने 19.3 ओवर में 115 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया।

जल बोर्ड से जुड़े धनशोधन मामले में

ईडी ने केजरीवाल को समन भेजा

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है। आम आदमी पार्टी (आप) ने इसे केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने की 'बैकअप' योजना करार दिया है। अधिकारियों के अनुसार केजरीवाल (55) को 18 मार्च को एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित ईडी कार्यालय में अधिकारियों के सामने पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। धनशोधन रोधी कानून के तहत दर्ज यह दूसरा मामला है जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को बुलाया गया है।

सांप के जहर मामले में

यूट्यूबर एल्विश यादव गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। नोएडा पुलिस ने चार महीने पहले यहां एक पार्टी में नशे के लिए सांप के जहर के संदिग्ध इस्तेमाल के मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी' के विजेता यादव को बाद में सूरजपुर की एक विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

यादव (26) पिछले साल तीन नवंबर को यहां सेक्टर-49 थाने में दर्ज प्राथमिकी में नामजद छह आरोपियों में से एक है। अधिकारियों ने कहा कि पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन फिलहाल वे जमानत पर बाहर हैं।

पुलिस के मुताबिक, मामला वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 284 (जहर से संबंधित लापरवाही भरा आचरण) और 289 (जानवरों के संबंध में लापरवाही भरा आचरण) के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले में मादक पदार्थ पर रोकथाम संबंधी 'एनडीपीएस' अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप भी जोड़े गए हैं, जिसमें हरियाणा के गुरुग्राम निवासी यादव को गिरफ्तार किया गया।

चुनावी बॉण्ड से संबंधित नया डेटा निर्वाचन आयोग ने सार्वजनिक किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉण्ड को लेकर नया डेटा रविवार को सार्वजनिक कर दिया। यह डेटा आयोग ने सीलबंद लिफाफे में उच्चतम न्यायालय को सौंपा था। न्यायालय ने बाद में आयोग से यह डेटा सार्वजनिक करने के लिए कहा था। माना जा रहा है कि ये विवरण 12 अप्रैल, 2019 से पहले की अवधि से संबंधित हैं। आयोग ने पिछले सप्ताह उपरोक्त तारीख के बाद के चुनावी बॉण्ड से संबंधित विवरण को सार्वजनिक किया था। आयोग ने एक बयान में कहा कि राजनीतिक दलों ने उच्चतम न्यायालय के 12 अप्रैल, 2019 के अंतरिम आदेश के अनुसार सीलबंद लिफाफे में चुनावी बॉण्ड से संबंधित डेटा दाखिल किया था।

आयोग ने कहा,राजनीतिक दलों से प्राप्त डेटा सीलबंद लिफाफे में उच्चतम न्यायालय में जमा किया गया था। 15 मार्च, 2024 के उच्चतम न्यायालय के आदेश पर अमल करते हुए न्यायालय की रजिस्ट्री ने सीलबंद लिफाफे में एक पेन ड्राइव में डिजिटल रिकॉर्ड के साथ भौतिक प्रतियां वापस कर दीं। आयोग ने आज चुनावी बॉण्ड को लेकर उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री से डिजिटल रूप में प्राप्त डेटा को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

फ्यूचर गेमिंग द्रमुक के लिए शीर्ष दानदाता

चुनावी बॉण्ड से भाजपा को मिले 6,986.5 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। अब रद्द हो चुके चुनावी बॉण्ड के शीर्ष खरीदार 'फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज' ने इसके माध्यम से तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपयों का दान दिया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों से रविवार को यह जानकारी सामने आई।

भाजपा को 2018 में चुनावी बॉण्ड योजना के लागू होने के बाद से इनके (बॉण्ड के) माध्यम से सबसे अधिक 6,986.5 करोड़ रुपए की धनराशि प्राप्त हुई, इसके बाद पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (1,397 करोड़ रुपए), कांग्रेस (1,334 करोड़ रुपए) और बीआरएस (1,322 करोड़ रुपए) का स्थान रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी बीजद को 944.5 करोड़ रुपए मिले। इसके बाद द्रमुक ने 656.5 करोड़ रुपए और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआर कांग्रेस ने लगभग 442.8 करोड़ रुपए के बॉण्ड भुनाए।

जद (एस) को 89.75 करोड़ रुपए के बॉण्ड मिले, जिसमें चुनावी बॉण्ड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार मेघा इंजीनियरिंग से 50 करोड़ रुपए भी शामिल हैं।

'लॉटरी किंग' सेंटियागो मार्टिन का फ्यूचर गेमिंग 1,368 करोड़ रुपयों के साथ चुनावी बॉण्ड का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसमें से लगभग 37 प्रतिशत द्रमुक को गया।

- तृणमूल कांग्रेस (1,397 करोड़ रुपए), कांग्रेस (1,334 करोड़ रुपए), बीआरएस (1,322 करोड़ रुपए), द्रमुक (656.5 करोड़ रुपए) और वाईएसआर कांग्रेस (442.8 करोड़ रुपए) के बॉण्ड भुनाए।
- 'लॉटरी किंग' सेंटियागो मार्टिन का फ्यूचर गेमिंग 1,368 करोड़ रुपयों के साथ चुनावी बॉण्ड का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसमें से लगभग 37 प्रतिशत द्रमुक को गया।

हमास के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, राफा पर भी होगी चढ़ाई : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

येरूसलम/नई दिल्ली/एजेन्सी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनका देश हमास के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई लक्ष्य पूरा होने तक जारी रखेगा और राफा में भी कार्रवाई शुरू करेगा। नेतन्याहू ने आज कहा कि उनका देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं आएगा। उन्होंने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इजरायल पर हमास के अक्तूबर के क्रूर आक्रमण को इतने जल्दी नहीं भूलना चाहिए और इजरायल के बजाय हमास के समर्थकों को ईरान पर दबाव डालना चाहिए। उन्होंने कार्यालय ने एक सरकारी बैठक के प्रारंभ में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए वक्तव्य को जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा , 'यदि हम इस युद्ध को उसके सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने से पहले ही रोक देते हैं, तो इसका मतलब है कि इज़राइल युद्ध हार जाएगा, और हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। इसलिए, हम इस दबाव के आगे झुक नहीं सकते और न ही झुकेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा , कोई भी अंतरराष्ट्रीय दबाव हमें युद्ध के सभी लक्ष्यों को साकार करने से नहीं रोकेगा। हमरा लक्ष्य है- हमास को खत्म करना, हमारे सभी बंधकों को मुक्त कराना और यह सुनिश्चित करना कि गाजा फिर कभी इजरायल के लिए खतरा न बने।

नेतन्याहू ने बैठक के प्रारंभ में कहा,ऐसा करने के लिए, हम राफ़ा में काम करेंगे। हमास की हत्यारी ब्रिगेडों को ख़त्म करने का यही एकमात्र तरीका है, और हमारे सभी बंधकों को मुक्त कराने के लिए आवश्यक सैन्य दबाव का उपयोग करने का भी यही एकमात्र तरीका है।

अपने सहयोगियों का 'इस्तेमाल करने और फेंक देने' का है कांग्रेस का एजेंडा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दल का एजेंडा अपने सहयोगियों का इस्तेमाल करने और फेंक देने का है। मोदी ने पलनाडु जिले के बोप्पुडी गांव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और राज्य में कांग्रेस पार्टी दोनों एक ही हैं और एक परिवार के सदस्यों द्वारा संचालित हैं।

मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश के मेरे भाइयों और बहनों, यह सोचने की गलती कभी न करें कि आंध्र में जगन की पार्टी (आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी) और कांग्रेस पार्टी अलग-अलग हैं। दोनों एक ही हैं। इन पार्टियों को एक परिवार के सदस्य ही चला रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राजग में हम सभी को साथ लेकर चलते हैं, लेकिन दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी का एकमात्र एजेंडा सहयोगियों का इस्तेमाल करने और फेंक देने का है। आज कांग्रेस को मजबूरी में 'इंडी' गठबंधन (इंडिया गठबंधन) बनाना पड़ा, लेकिन उनकी सोच यही है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''आप देख सकते हैं कि केरल में वाम और कांग्रेस एक-दूसरे से क्या कहते हैं। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और वाम एक-दूसरे के खिलाफ क्या कहते हैं और पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) एक-दूसरे के खिलाफ किस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। चुनाव से पहले जो लोग अपने फायदे के लिए इस तरह से लड़ते हैं, तो चुनाव के बाद क्या करेंगे, आप अंदाजा लगा सकते हैं।''

मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) क्षेत्रीय आकांक्षाओं को साथ लेकर देश की प्रगति के लिए काम कर रहा है तथा चुनाव के बाद तीसरे कार्यकाल के दौरान देश कई और ''बड़े फैसले'' लेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों से नई सरकार के पहले 100 दिन के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने कैबिनेट मंत्रियों से नई सरकार के पहले 100 दिन और अगले पांच साल के लिए एक रूपरेखा तैयार करने को कहा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने आज सुबह यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्रियों से अपने-अपने मंत्रालयों के सचिवों और अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर इस बारे में चर्चा करने के लिए कहा कि नई सरकार के पहले 100 दिन और अगले पांच साल के एजेंडे को बेहतर ढंग से कैसे लागू किया जा सकता है। मंत्रिमंडल ने निर्वाचन आयोग की सिफारिश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजकर सात चरण के संसदीय चुनाव की तारीखों को अधिसूचित करने की प्रक्रिया भी शुरू की।

पुतिन और छह साल तक शासन करने को तैयार

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रविवार को एकतरफा राट्रपति चुनाव संपन्न होने के बाद और छह साल तक शासन करने के लिए तैयार है। पुतिन का सत्ता पर करीब 25 साल से कब्जा है। आलोचकों के मुताबिक रूस के चुनाव में मतदाताओं को 'निरंकुश' शासक के खिलाफ कोई वास्तविक विकल्प नहीं दिया गया। रूस में तीन दिवसीय राष्ट्रपति चुनाव शुक्रवार को बेहद नियंत्रित माहौल में शुरू हुआ, जहां पुतिन या यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर उनकी सार्वजनिक आलोचना की अनुमति नहीं थी। पुतिन के सबसे कट्टर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एलेक्सी नवलनी की पिछले महीने आर्कटिक जेल में मौत हो गई।

चुनावी बॉण्ड के जरिए काला धन भाजपा के खातों में भेजा गया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सरकार पर चुनावी बॉण्ड योजना के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खातों में काला धन भेजने की ''साजिश'' रचने और ''लाभ लेकर फायदा पहुंचाने'' का रविवार को आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चुनावी बॉण्ड ''घोटाले'' को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जवाबदेह हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले आयकर अधिकारियों द्वारा कांग्रेस के खातों पर रोक लगाए जाने के संदर्भ में, उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर पार्टी पर ''सर्जिकल हमला'' करने और ''कर आतंकवाद'' में शामिल होने का भी आरोप लगाया।

विपक्षी दल ने यह उम्मीद जताई कि निर्वाचन आयोग चुनावों के दौरान ''पूर्ण निष्पक्षता और तटस्थता'' बनाए रखेगा और लोगों की अपेक्षा के अनुरूप अपने संवैधानिक कर्तव्यों पर खरा उतरेगा।

पांच वर्ष में मंगल ग्रह पर पहुंच जायेगा 'स्टारशिप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एजेन्सी। जाने-माने कारोबारी एवं स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क ने रविवार को कहा कि उनकी कंपनी का विशाल 'स्टारशिप' रॉकेट पांच वर्ष में मंगल ग्रह के लिए उड़ान भरेगा। इससे विभिन्न ग्रहों पर मानव जीवन बसाने के उनके लंबे समय के विचार की पुष्टि होती है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर पोस्ट किया, स्टारशिप पांच साल के भीतर मंगल ग्रह पर होगा।

गौरतलब है कि स्पेसएक्स ने गुरुवार को टेक्सास के बोका चिका में स्टारबेस सुविधा से स्टारशिप रॉकेट की अपनी तीसरी परीक्षण उड़ान शुरू की, जिसमें रॉकेट पहली बार कक्षीय गति तक पहुंच गया।

प्रक्षेपण के लगभग 48.5 मिनट बाद तक स्टारशिप तस्वीरें भेज रहा था, लेकिन स्पेसएक्स ने बाद में पुष्टि की कि उसने अंतरिक्ष यान खो दिया है। इस रॉकेट के हिंद महासागर में गिरने की संभावना थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। स्टारशिप पूरी तरह से पुन: प्रयोग में लायी जा सकने वाली परिवहन प्रणाली विकसित करने के स्पेसएक्स के प्रयासों का केंद्रबिंदु है, जो मनुष्यों को चंद्रमा तक और लंबी अवधि की उड़ानों के लिए मंगल और उससे आगे ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस प्रणाली को अंतरिक्ष में ईंधन भरने और सौर मंडल के विभिन्न गंतव्यों पर उतरने तथा पृथ्वी पर लौटने की क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है।

केरल ने उच्चतम न्यायालय से नागरिकता संशोधन नियमों पर रोक लगाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली/भाषा। केरल ने नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के क्रियान्वयन पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक नई याचिका दायर की है और दलील दी कि ये नियम भेदभावपूर्व, मनमाने और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं।

केंद्र ने संसद द्वारा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 को पारित करने के करीब चार साल बाद गत 11 मार्च को कानून के नियमों की अधिसूचना जारी करने के साथ इसके कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। इसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारत की नागरिकता दी जाएगी।

इस चुनाव में भाजपा केरल की राजनीति में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रही : जावडेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावडेकर ने रविवार को एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस लोकसभा चुनाव में केरल में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के एक दिन बाद, जावडेकर ने यहां प्रेस वार्ता में कहा ''मतदाताओं के मन में मंथन चल रहा है। राज्य में यह दिख रहा है और यह भाजपा के लिए बड़े लाभ में तब्दील होगा।

केरल में 26 अप्रैल को मतदान होगा। जावडेकर ने दावा किया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले 'लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (यूडीएफ) का केरल में कोई भविष्य नहीं है।

जावडेकर ने कहा, हम (भाजपा) इस चुनाव में केरल की राजनीति में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रहे हैं। केरल के मतदाताओं के मन में बड़ा मंथन चल रहा है। 2019 में, उन्हें विश्वास दिलाया गया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। इस बार, कांग्रेस नेताओं समेत सभी को यकीन है कि उनके प्रधानमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं है।

केरल में भाजपा का अभी तक खाता नहीं खुला है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा का कुल पड़े वोट में हिस्सा 12 प्रतिशत से कम था।

यूडीएफ और एलडीएफ के घटक दलों को ''अतीत की पार्टियां'' बताते हुए जावडेकर ने कहा, केरल में वे छद्म लड़ाई लड़ रही हैं। वे व्यावहारिक रूप से अन्य सभी राज्यों में सहयोगी हैं और यहां केरल में रणनीतिक रूप से एक साथ हैं। उन्होंने दावा किया कि एलडीएफ और यूडीएफ के पास राज्य को देने के लिए कुछ भी नया नहीं है।

उत्तराखंड: कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह भंडारी भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तराखंड में कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह भंडारी रविवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इसे लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है।

भाजपा में शामिल होने के बाद भंडारी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व से प्रभावित थे जिसने उन्हें यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। तीन बार के कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री भंडारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी भी मौजूद थे। बलूनी उत्तराखंड की गढ़वाल सीट से अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। राजेंद्र भंडारी उत्तराखंड विधानसभा में बद्रीनाथ सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की उत्तराखंड इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को मामूली अंतर से हराकर सीट जीती। बद्रीनाथ उन 14 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है जो गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां से भाजपा के अनिल बलूनी इस बार चुनाव लड़ेंगे। इन 14 विधानसभा क्षेत्रों में से बद्रीनाथ एकमात्र सीट है जो कांग्रेस के पास है। बाकी सीट पर भाजपा का कब्जा है। भंडारी ने यहां भाजपा नेताओं के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, मैं गरीब लोगों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति से बहुत प्रभावित हूं। उनके नेतृत्व में पूरे देश में निरंतर विकास यात्रा जारी है। मैं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य (वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना) को हासिल करने में योगदान देना चाहता हूं।

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े 'फर्जी' मामले में ईडी ने केजरीवाल को बुलाया: आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) से जुड़े एक 'फर्जी' मामले में अपनी जांच में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नया समन भेजा है। आतिशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, कोई नहीं जानता कि डीजेबी का यह मामला किस चीज को लेकर है। यह किसी भी तरह केजरीवाल को गिरफ्तार करने और उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने की एक वैकल्पिक योजना लगती है।

आतिशी के इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) स्वतंत्र रूप से काम कर रहा है। उन्होंने केजरीवाल पर बार-बार कानून का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया।

आतिशी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के कुछ घंटों बाद शनिवार को दो समन मिले जिनमें केजरीवाल को अगले सप्ताह संघीय एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि इनमें से एक आबकारी नीति मामले से जुड़ा है और दूसरा डीजेबी से संबंधित है।

'आप' नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक विरोधियों को खत्म करने के लिए ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को अपने 'गुंडों' के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

इस पर ईडी और सीबीआई की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ईडी ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में केजरीवाल को 18 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। धनशोधन रोधी कानून के तहत दर्ज यह दूसरा मामला है जिसमें 'आप' के 55 वर्षीय राष्ट्रीय संयोजक को बुलाया गया है।

लोस चुनाव के मद्देनजर सीयूईटी-स्नातक परीक्षा के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं : यूजीसी अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूइटी-यूजी) पूर्व घोषित कार्यक्रम 15 मई से 31 मई 2024 के बीच होगी और लोकसभा चुनाव की तारीखों की वजह से इसमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यह घोषणा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने रविवार को की। उन्होंने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परीक्षा के लिए समय-सारिणी जारी की जाएगी।

यूजीसी प्रमुख ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम के आधार पर परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि 543 लोकसभा सीट के लिए सात चरणों में मतदान होगा, जिसकी शुरुआत 19 अप्रैल को पहले चरण की 102 सीट पर मतदान से होगी। मतों की गिनती चार जून को होगी। कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने जैसा पहले घोषित किया था उसी के अनुसार 15 मई से 31 मई, 2024 के बीच सीयूईटी-यूजी का आयोजन करेगी। इस अवधि में, दो तारीखें 20 और 25 मई चुनाव की तारीखों के साथ पड़ेंगी। उन्होंने बताया, आवेदन भरने की अंतिम तिथि 26 मार्च, 2024 है। इसके बाद हमें सीयूईटी-यूजी के लिए पंजीकृत छात्रों की संख्या और उनके भौगोलिक वितरण का पता चल पाएगा। कुमार ने कहा, इन आंकड़ों और चुनाव की तारीखों के आधार पर एनटीए, सीयूईटी-यूजी के लिए समयसारिणी की घोषणा करेगी। लेकिन तारीखें नहीं बदलेंगी।

लोकसभा चुनाव: हरियाणा ने केंद्रीय बलों की 200 और कंपनियां मांगी

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों की 200 और कंपनियां मांगी हैं। राज्य की सभी 10 लोकसभा सीट के लिए 25 मई को मतदान होगा। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने चुनाव सुरक्षा संबंधी उपायों के बारे में पूछे जाने पर रविवार को कहा कि राज्य को पहले ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 15 कंपनियां मिल चुकी हैं।

अग्रवाल ने यहां पत्रकारों से कहा, इसके अलावा, राज्य के पुलिस महानिदेशक ने केंद्रीय बलों की 200 कंपनियों के अनुरोध के साथ हरियाणा के गृह विभाग को एक प्रस्ताव भेजा है। (गृह विभाग द्वारा) प्रस्ताव हमें भेजे जाने के बाद मेरी अध्यक्षता में एक समिति आगे की कार्रवाई के लिए उसे भारत निर्वाचन आयोग के पास भेजेगी।

अडाणी समूह 2024-25 में 14 अरब डॉलर निवेश करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह ने एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में बंदरगाह, ऊर्जा, हवाई अड्डा, जिंस, सीमेंट और मीडिया क्षेत्र तक फैले अपने कारोबार में 1.2 लाख करोड़ रुपए (लगभग 14 अरब अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करने की योजना बनाई है।

सूत्रों ने कहा कि समूह ने अगले 7-10 वर्षों में कारोबार बढ़ाने के लिए निवेश पूर्वानुमान को 100 अरब डॉलर से बढ़ाकर दोगुना कर दिया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित पूंजीगत व्यय इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 40% अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार 31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2023-24 में पूंजीगत व्यय लगभग 10 अरब डॉलर का पूंजीगत व्यय होने का अनुमान है। सूत्रों ने कहा कि ये निवेश तेजी से मुनाफे में वृद्धि की बुनियाद तैयार करेंगे। समूह ने पहले कहा था कि 7-10 वर्षों में 100 अरब डॉलर का पूंजीगत व्यय किया जा सकता है।

निवेश का अधिकांश भाग समूह के तेजी से बढ़ते व्यवसायों- नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और हवाई अड्डों में किया जाना है। पूंजीगत व्यय का ज्यादातर हिस्सा हरित ऊर्जा के लिए होगा।

आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल मामले में एनआईए ने पुणे में चार संपत्तियां कुर्क कीं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने देश में वैश्विक आतंकी संगठनों के नेटवर्क को खत्म करने के अभियान के तहत पुणे में आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल मामले में चार संपत्तियां कुर्क की हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एजेंसी के प्रवक्ता ने कहा कि कोंढवा क्षेत्र में कुर्क की गई संपत्तियां मामले में आरोपी 11 लोगों से जुड़ी हैं, जिनमें तीन भगोड़े भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसका इस्तेमाल आईईडी निर्माण व प्रशिक्षण और आतंकवादी कृत्यों की योजना बनाने के लिए किया जा रहा था।

फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में 41,000 करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन दो साल में पांच अरब अमेरिकी डॉलर या लगभग 41,000 करोड़ रुपए घट गया है। इसकी अमेरिकी स्थित मूल कंपनी वॉलमार्ट के इक्विटी लेनदेन से यह जानकारी मिली है।

फ्लिपकार्ट में वॉलमार्ट के इक्विटी ढांचे में बदलाव के अनुसार, ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 31 जनवरी, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में 40 अरब डॉलर था, जो 31 जनवरी, 2024 को घटकर 35 अरब डॉलर रह गया। फ्लिपकार्ट ने मूल्यांकन में गिरावट की वजह वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी फोनपे को अलग कंपनी के रूप में विभाजित करने को बताया है। सूत्रों का कहना है फ्लिपकार्ट का मौजूदा मूल्यांकन 38-40 अरब डॉलर के बीच है। वॉलमार्ट ने वित्त वर्ष 2021-22 में फ्लिपकार्ट में 8% हिस्सेदारी को 3.2 अरब डॉलर में बेचा था। इस हिसाब से ई-कॉमर्स कंपनी का मूल्यांकन 40 अरब डॉलर बैठता है।

तेलंगाना में बीआरएस को झटका, लोकसभा चुनाव से पहले मौजूदा सांसद और विधायक कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को झटका देते हुए चेवेल्ला से पार्टी के मौजूदा सांसद रंजीत रेड्डी और खैरताबाद से विधायक डी. नागेंद्र राव लोकसभा चुनाव से पहले शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में दोनों कांग्रेस में शामिल हुए।

रंजीत रेड्डी ने पोस्ट में कहा, मैं अपने सभी समर्थकों और लोगों को सूचित करता हूं कि मैंने बीआरएस पार्टी को औपचारिक त्याग पत्र सौंप दिया है... मैं चेवेल्ला निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा के लिए प्रदान किए गए सार्थक अवसर और सहयोग के लिए बीआरएस पार्टी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं। उभरती राजनीतिक परिस्थितियों के कारण, मैंने अपना इस्तीफा सौंपने का यह कठिन निर्णय लिया है।

सिद्धू मूसेवाला की मां चरण कौर ने दिया बेटे को जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बठिंडा/भाषा। लोकप्रिय दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता के घर रविवार को एक नन्हे मेहमान ने दस्तक दी। सिद्धू मूसेवाला के नाम से मशहूर शुभदीप सिंह सिद्धू की मां चरण कौर ने एक बालक को जन्म दिया है।

पंजाब के मानसा जिले में करीब दो साल पहले मूसेवाला की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी।

मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर बेटे के जन्म की घोषणा की और कहा कि उनकी पत्नी चरण कौर ने मूसेवाला के छोटे भाई को जन्म दिया है। बलकौर सिंह ने पंजाबी भाषा में अपने पोस्ट में कहा, शुभदीप को चाहने वाले लाखों-करोड़ों लोगों के आशीर्वाद से ईश्वर ने हमें शुभ का छोटा भाई दिया है। जच्चा-बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ हैं और मैं सभी शुभचिंतकों के असीम प्रेम के लिए उनका आभारी हूं।

बलकौर ने अपनी पोस्ट में नवजात को गोद में लिए हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की। सूत्रों के मुताबिक बलकौर सिंह (60) और उनकी पत्नी चरण कौर (58) ने बच्चे के जन्म के लिए आईवीएफ तकनीक की मदद ली थी।

पिछले कुछ दिन पहले, ऐसी खबरें थीं कि मूसेवाला के माता-पिता के घर एक बच्चे का जन्म होने वाला है, लेकिन कुछ दिन पहले बलकौर ने प्रशंसकों से अफवाहों पर विश्वास न करने के लिए कहा था।

मूसेवाला की 29 मई, 2022 को पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। गायक-रैपर मूसेवाला ने 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव में मानसा से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव भी लड़ा था।

अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब अमेरिकी डॉलर हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान स्मार्टफोन के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 7.76 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में दो प्रतिशत थी।

एक अधिकारी ने कहा कि स्मार्टफोन विनिर्माण में वृद्धि से निर्यात को बढ़ावा मिला। इसके साथ ही भारत, अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्यातक बन गया है।

निजी अस्पतालों में सिजेरियन के अधिक मामले, सामान्य प्रसव वाले एमसीडी प्रसूतिगृह रहते हैं खाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी और निजी अस्पतालों में वर्ष 2022 में करीब 2.82 लाख बच्चों ने जन्म लिया, जिसमें से करीब 38 फीसदी यानी 1.07 लाख बच्चों का जन्म सिजेरियन प्रणाली से हुआ जबकि सामान्य प्रसव की पद्धति पर आधारित दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 17 प्रसूति गृहों में पिछले साढ़े चार वर्षों में सिर्फ 31,121 प्रसव हुए।

दिल्ली सरकार के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा राजधानी में 'जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण की वार्षिक रिपोर्ट 2022' के मुताबिक, 2022 में दिल्ली में कुल 2,82,389 बच्चों का जन्म हुआ, जिनमें से 1,81,892 बच्चों का जन्म सामान्य प्रसव से और 1,07,079 बच्चों का जन्म सिजेरियन यानी ऑपरेशन के जरिये हुआ। 'जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण की वार्षिक रिपोर्ट 2022' के मुताबिक, दिल्ली के शहरी इलाकों में स्थित सरकारी अस्पतालों में कुल 1,65,826 बच्चों का जन्म हुआ, जिनमें से 44,040 बच्चे सिजेरियन से जन्मे। वहीं निजी अस्पतालों में कुल 87,629 बच्चों का जन्म हुआ, जिनमें से 53,446 बच्चे सिजेरियन से जन्मे जबकि सामान्य प्रसव के जरिये 32,756 बच्चों का जन्म हुआ। आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में स्थित सरकारी अस्पतालों में कुल 21,079 बच्चों का जन्म हुआ, जिनमें से 4,893 बच्चे सिजेरियन से जन्मे। वहीं ग्रामीण इलाकों में स्थित निजी अस्पतालों में कुल 7,855 बच्चों का जन्म हुआ, जिनमें 4,700 बच्चे सिजेरियन जबकि सामान्य प्रसव के जरिये 3,089 बच्चे जन्मे। वहीं, सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर आवेदन के जवाब में एमसीडी के स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी के मुताबिक, एमसीडी के 17 प्रसूति गृहों में 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) से 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) तक कुल 31,121 महिलाओं ने बच्चों को जन्म दिया और इस दौरान तीन नवजात शिशुओं की प्रसव के समय मौत हुई। स्वास्थ्य विभाग ने आरटीआई के जवाब में बताया कि बीते दो वर्षों में नगर निगम के अंतर्गत आने वाले प्रसूति गृहों में प्रसव के दौरान किसी महिला की मौत नहीं हुई। दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, दिल्ली के प्रसूति गृह में कम डिलिवरी की सबसे बड़ी वजह यह है कि इन केंद्रों पर सिर्फ सामान्य प्रसव किए जाते हैं और यहां ऑपरेशन के जरिए प्रसव का कोई सिद्धांत ही नहीं है, इसलिए ज्यादा गंभीर मामलों या फिर ऑपरेशन की स्थिति में महिलाओं को दूसरे बड़े अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

भारत की मौजूदा आर्थिक तेजी का दौर 2003-07 जैसा : मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली/भाषा। निवेश के दम पर आगे बढ़ रही भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि की रफ्तार 2003-07 जैसी लग रही है। उस समय आर्थिक वृद्धि दर औसतन 8% से अधिक थी। मॉर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने यह बात कही है। मॉर्गन स्टेनली ने रिपोर्ट 'द व्यूपॉइंट: इंडिया-व्हाई दिस फील लाइक 2003-07' में कहा कि एक दशक तक जीडीपी के मुकाबले निवेश में लगातार गिरावट के बाद अब भारत में पूंजीगत व्यय वृद्धि के प्रमुख चालक के रूप में उभरा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमें लगता है कि पूंजीगत व्यय चक्र के लिए पर्याप्त गुंजाइश है और इसलिए वर्तमान तेजी 2003-07 के समान है।

अर्थशास्त्रियों ने कहा वर्तमान तेजी खपत की तुलना में निवेश बढ़ने के चलते है। शुरुआत में इसे सार्वजनिक पूंजीगत व्यय से समर्थन मिला, लेकिन निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि हो रही है। खपत को पहले शहरी उपभोक्ताओं ने सहारा दिया और बाद में ग्रामीण मांग भी बढ़ी। वैश्विक निर्यात में बाजार हिस्सेदारी बढ़ने और व्यापक आर्थिक स्थिरता से भी अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है।

* शत शत नमन *
समय के दर्पण में... कभी धूमिल नहीं होगी तस्वीर आपकी...
दूरदर्शिता कर्त्तव्य परायणता, निरपेक्ष स्नेहभाव और
मिलन सारिता से परिपूर्ण आपका जीवन हमारी प्रेरणा है।
सदैव आपकी स्मृति हमारा पथ प्रदर्शित करती रहेगी
आपका आशीर्वाद सदा बना रहे।

जन्म 15.04.1960
स्वर्गवास 15.03.2023

श्रीमान् कांतिलालजी सा. बागरेचा

हमारी पूरी समिति के सभी ट्रस्टी श्री वीतराग प्रभु से प्रार्थना करते है कि हमारे ट्रस्टी की आत्मा अति शीघ्र महाविदेह क्षेत्र में जन्म ले वीतराग प्रभु से मुखारविंद से दीक्षित होकर अपनी आत्मा का कल्याण करते हुए केवल ज्ञान को प्राप्त करें।
इन्हीं मंगल मनीषाओं के साथ
श्रद्धावनत
समस्त ट्रस्टी, कार्यकर्त्तागण एवं स्टॉफ
श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन कबूतर दाना सेवा समिति (रजि.)
नं. 343, 57वां 'डी' क्रॉस, (जैन मंदिर के पास)
3रा ब्लॉक, राजाजीनगर, बेंगलोर-10, Ph. 080-23504333
अध्यक्ष संघवी मोटमल सदानी 9448557800
कोषाध्यक्ष वसन्तराज रांका सेठिया 9845221309
मंत्री महेन्द्रकुमार मेहता 9343716148

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, Army No. 15695466P, Rank-L/NK, M.SRIRAMULU Unit 17 mtn Div Sig Regt. Residing at Sellandi Nagar, Kel Pudhur, Krishnagiri, Pin-635 001, do hereby Solemnly affirm and declare that name of my Wife has been mistakenly recorded as S. SOBHA in my Army Service Record which is Incorrect. The Correct name of my wife is SHOBA SHRI S as per her Aadhar Card and other documents and same Shall be Considered in future is all Records.
Incorrect Name S. SOBHA Correct Name SHOBA SHRI S Date : 31/01/2024

क्या कांग्रेस में 'अब की बार 50 पार' कहने की हिम्मत है? : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। इस बार देश में हो रहे लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को 'अबकी बार 50 पार' तक कहने की हिम्मत नहीं है। बसवराज बोम्मई ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को चुनौती देते हुए कहा कि वह 'क्या कह सकते हैं?'

हावेरी लोकसभा क्षेत्र के हनागल्ला में कुमारस्वामी मठ के परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक में बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के लिए पैसे की गारंटी दी है। एक बार फिर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'वह एक बड़ा भाषण देंगे।'

उन्होंने कहा कि वह जातीय जनगणना का खुलासा करेंगे। बोम्मई ने तंज कसते हुए कहा कि राज्य सरकार जातियों के मुद्दे पर लुका-छिपी का खेल खेल रहीहै। अब तक सरकार ने जातिआधारित रिपोर्ट का खुलासा भी नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था तो एससी और एसटी के लोगों के लिए अधिक आरक्षण दिया था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को धोखा दिया जा सकता है। लेकिन बार बार नहीं दिया जा सकता है। लोग इस बार 'सबका साथ सबका विकास' के साथ में हैं। केन्द्र सरकार ने 14 हजार करोड़ किसान परिवारों से लेकर कर्नाटक के 57 लाख परिवारों को किसान सम्मान राशि भी दी है।

बोम्मई ने कहा कि केन्द्र सरकार 1 करोड़ परिवारां को 5 किलो चावल दे रही है। लेकिन राज्य सरकार का एक भी दाना नहीं दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने गत चार सालों में लोगों को अनेक योजनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में 11 लाख लोगों को घर दिए गए। 30 लाख लोगां के घरों में पेयजल पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश में सबसे तेज गति से नेशनल हाईवे बना रही है। कांग्रेस के नेताओं ने एक चुनावी घोषणा की है कि प्रति वर्ष एक महिला को 1 लाख रुपए देंगे। उन्हें मालुम है कि वह सत्ता में नहीं आएंगे इसलिए ऐसी फर्जी गारंटी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव की शुरुआत हनागल तालुक से करेंगे। सीएम उदासी ने इस क्षेत्र में काफी काम किया है। मैं उदासी के मार्ग पर ही चल रहा हूँ।

बोम्मई ने राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य में विकास शून्य है। कांग्रेस के नेता और विधायक जनता का सामना करने से कतरा रहे हैं। सूखा आ गया है, क्या आपने पीने के पानी के लिए कोई योजना बनाई है? 800 किसानों ने आत्महत्या की है और उनके परिवारों को मुआवजा नहीं दिया गया है। लोग अब मुझसे पीने के पानी की गारंटी मांग रहे हैं।

पानी नहीं देने वाली सरकार को जनता लोकसभा चुनाव में जवाब देगी। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने 1 लाख 5 हजार करोड़ का कर्ज लिया है, यही उनकी उपलब्धि है। हनागल के लोगों को इस बार उसे उसी तरह बदल देना चाहिए जैसे महिलाएं रोटी बनाती हैं।

लोग कांग्रेस के पैसों के लालच में नहीं आएगी। लोगों ने फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अरुण कुमार पुजार, पूर्व मंत्री मनोहर तहसीलदार, शिवराज सज्जन सहित अन्य उपस्थित थे।

ईश्वरप्पा को मनाने का पूरा भरोसा : बसवराज बोम्मई

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राष्ट्रीय नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा से बात कर रहे हैं और उन्हें मना लिया जाएगा। रविवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने विश्वास जताया कि नाराज नेता को मना लिया जाएगा। अपने निर्वाचन क्षेत्र के परिवर्तन पर रमेश जारकीहोली के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, बोम्मई ने कहा कि रमेश आलाकमान के संपर्क में हो सकते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि रमेश ने निर्वाचन क्षेत्र में बदलाव के बारे में क्या कहा है। आज, मैं शिगगांव में प्रचार कर रहा हूं जो धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और स्थानीय सांसद प्रह्लाद जोशी को निमंत्रण दिया गया है। इस बार, जोशी शिगगांव विधानसभा क्षेत्र से अधिक बढ़त दी जाएगी।

लोकसभा चुनाव

दक्षिण कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा-जद(एस) गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वोक्कालिगा समुदाय की बहुलता वाले कर्नाटक के पुराने मैसूरु क्षेत्र में लोकसभा चुनाव में राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा-जद(एस) गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। पुराने मैसूरु क्षेत्र में दक्षिणी कर्नाटक के कई जिले शामिल हैं। पिछले साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र में जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली सत्तारूढ़ कांग्रेस इलाके में अपने आधार को और मजबूत करना चाहेगी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने पुराने मैसूरु क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिलों में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली जनता दल (एस) के गढ़ में सेंध लगाई थी।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में, कांग्रेस और जनता दल (एस) ने एक साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन राज्य में दोनों को केवल एक-एक सीट मिली थी थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कुल 28 लोकसभा सीट में से 25 सीट पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस और जद (एस) को पुराने मैसूरु क्षेत्र के क्रमशः बेंगलूरु ग्रामीण और हासन सीट पर जीत मिली थी, जबकि मांड्या सीट भाजपा समर्थित एक निर्दलीय के खाते में गई थी। इस बार जद (एस) का भाजपा के साथ गठबंधन है।

सूत्रों के मुताबिक, जद (एस) को क्षेत्र में हासन, मंड्या और कोलार सीट आवंटित किए जाने की संभावना है। पिछले साल मई में हुए विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद जद (एस) अब वापसी करना चाह रही है। इस क्षेत्र में कांग्रेस और जद (एस) को पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। भाजपा भी इस क्षेत्र में अपने मत प्रतिशत में सुधार कर रही है।

भाजपा-जद(एस) गठबंधन के क्षेत्र में कांग्रेस का मुकाबला करने की उम्मीद है। यह गठबंधन वोक्कालिगा मतों को अपने पक्ष में करने और मोदी के करिश्मा के सहारे जीत हासिल करने के प्रयास में है। वहीं, कांग्रेस अपने मजबूत स्थानीय नेतृत्व की मदद से और पांच गारंटी योजनाओं के जरिये अपनी संभावनाओं को आगे बढ़ाने और क्षेत्र में अपना प्रभुत्व जारी रखने की उम्मीद कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार इसी क्षेत्र से आते हैं। वहीं, जद (एस) प्रमुख एच डी देवेगौड़ा और उनके पुत्र तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एच डी कुमारस्वामी भी इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक के अनुसार, भाजपा-जद(एस) गठबंधन के लिए स्थानीय नेताओं के बीच समन्वय और दोनों दलों के बीच मतों का हस्तांतरण महत्वपूर्ण होगा।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 2024 के चुनावों के लिए क्षेत्र की कुछ सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की है। कर्नाटक में लोकसभा चुनाव दो चरणों में 26 अप्रैल और 7 मई को होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से डरते हैं मोदी : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से डरते हैं इसीलिए उन्होंने खरगे के गृह जिले कलबुर्गी से अपना अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कर्नाटक में

कलबुर्गी सहित 20 लोकसभा सीटें जीतने को लेकर आश्वस्त है। शिवकुमार ने यह बात संवाददाताओं से कहा, ''वह (मोदी) नेता विपक्ष (राज्यसभा में) मल्लिकार्जुन खरगे से डरते हैं। इसलिए, उन्होंने अपना चुनाव अभियान वहीं (कलबुर्गी) से शुरू किया। हम कलबुर्गी सहित 20 सीटें जीतेंगे।'' मोदी ने शनिवार को कर्नाटक में अपना चुनाव अभियान कलबुर्गी से शुरू किया। राज्य में इसके बाद प्रचार के लिये वह शिवमोगा जाएंगे।

शिवकुमार ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की अगली सूची 20 मार्च को घोषित की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, (बाकी उम्मीदवारों के बारे में) 19 मार्च को बैठक है। हम 20 मार्च को सूची की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि वह 21 मार्च को गारंटी योजनाओं के तालुक स्तर के नामित अध्यक्षों को बुला रहे हैं ताकि उन्हें पार्टी के लिए काम सौंपा जा सके।

कर्नाटक में मंत्रियों के चुनाव लड़ने में अनिच्छा के कारण कांग्रेस के सामने मुश्किल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कुछ मंत्रियों और विधायकों के लोकसभा चुनाव लड़ने में अनिच्छा जताने के बाद कांग्रेस के लिए ''जीतने योग्य'' उम्मीदवारों की तलाश करना मुश्किल दिखायी दे रहा है। कांग्रेस को सात सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा किए 10 दिन बीत गए हैं लेकिन बाकी की 21 सीटों पर प्रत्याशियों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

कांग्रेस ने आठ मार्च को जारी अपनी पहली सूची में किसी भी मंत्री तथा विधायक को उम्मीदवार नहीं बनाया था। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व कुछ मंत्रियों और विधायकों को चुनाव लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर रहा है क्योंकि उन्हें कई निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने योग्य उम्मीदवारों को चुनने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने हाल में कहा था कि पार्टी में सात से आठ मंत्रियों को प्रत्याशी बनाने पर चर्चा की जा रही है। कुछ मंत्री खुद चुनाव लड़ने के बजाय अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव लड़ाने पर जोर दे रहे हैं और सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व उनके परिजनों को प्रत्याशी बनाने से जनता के बीच जाने वाले संदेश को लेकर चिंतित दिखायी दे रहा है।

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि मंत्रियों या उनके परिवार के सदस्यों को प्रत्याशी बनाने के मुद्दे पर फैसला अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता व सांसद राहुल गांधी समेत पार्टी नेतृत्व को लेना है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार को संपन्न हुई, रविवार को 'इंडि' गठबंधन के नेताओं की जनसभा है और 19 मार्च को उम्मीदवारों पर निर्णय लेने के लिए हमारी बैठक है। 19 मार्च की रात या 20 मार्च की सुबह तक हमारे सभी प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाएगी।''

सूत्रों के अनुसार, 'कांग्रेस कैबिनेट मंत्रियों एच सी महादेवप्पा को चामराजनगर, के एच मुनियप्पा को कोलार, बी. नागेंद्र को बेल्लारी, सतीश जारकीहोली को बेलगाम, ईश्वर खांद्रे को बीदर और कृष्णा बायरे गौड़ा को बेंगलूरु उत्तर से उम्मीदवार बनाना चाहती है।' इनमें से लगभग सभी मंत्रियों ने चुनाव लड़ने में अनिच्छा जताई है और कुछ ने अपने परिवार के सदस्यों के नामों का सुझाव देते हुए आश्वासन दिया है कि वे उनकी जीत सुनिश्चित करेंगे।

कांग्रेस ने शुरुआत में मंत्रियों को संभावित उम्मीदवारों का चयन करने का जिम्मा सौंपा था लेकिन शिवकुमार ने कहा था कि उनसे प्राप्त हुई रिपोर्ट संतोषजनक नहीं है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि पार्टी को 2019 के लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था जबकि वह राज्य में जनता दल (एस) के साथ गठबंधन में सत्ता में थी। इसे देखते हुए कई वरिष्ठ नेता लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की संभावनाएं अब भी आशाजनक नहीं दिख रही हैं।

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में एम मल्लिकार्जुन खरगे, वीरप्पा मोइली और मुनियप्पा समेत कई शीर्ष नेताओं को हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन शिवकुमार के लिए एक और महत्वपूर्ण परीक्षा है जिन्होंने विधानसभा के कार्यकाल के बीच में सत्ता हस्तांतरण की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा जगजाहिर कर रखी है। भाजपा ने 20 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। उसने अभी तक आठ सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है जिनमें से तीन सीट उसके गठबंधन के साझेदार जद(एस) के पाले में जा सकती हैं।

कर्नाटक में कुल 28 लोकसभा सीटें हैं। भाजपा ने 2019 के चुनाव में 25 सीटें जीती थीं जबकि पार्टी द्वारा समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली थी। कांग्रेस और जद(एस) ने एक-एक सीट हासिल की थी।

हम पिछले चुनाव से भी बड़े अंतर से जीतेंगे : मंत्री प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रह्लाद जोशी को आश्वासन दिया कि सर्वांगीण विकास के लिए वह पिछले चुनाव से भी अधिक मतों के अंतर से जीतेंगे। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार को धारवाड़ जिला भाजपा कार्यालय में नवलगुंद विधानसभा क्षेत्र के नेताओं व कार्यकर्ताओं की बैठक में मंत्री जोशी ने यह आशा व्यक्त की।

कार्यकर्ताओं ने खुद वादा किया कि वे जिले में विकास कार्यों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति को हर घर तक पहुंचाने का काम करेंगे। हम इस चुनाव में भाजपा को पिछले सभी चुनावों से भी अधिक बहुमत से जिताने का काम करेंगे। बैठक में कार्यकर्ताओं ने चुनावी उत्साह दिखाते हुए कहा कि पांचवीं बार भारी मतों से जिताना हमारी जिम्मेदारी है। बैठक में पूर्व मंत्री प्रहलाद जोशी के साथ विधायक शंकर पाटिल मुनेनकोप्पा, जिला भाजपा अध्यक्ष निंगप्पा स्वातगट्टी, प्रमुख शनमुख गुरिकारा, बसवराज कुंडगोलमथ, मल्लिकार्जुन होराकेरी और वरिष्ठ कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे।

भाजपा के मनाने के बावजूद बागी ईश्वरप्पा लोकसभा चुनाव लड़ने पर अड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल रविवार को पार्टी से बगावत करने वाले के.एस. ईश्वरप्पा को मनाने पहुंचे, लेकिन पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर अड़े हुए हैं। ईश्वरप्पा कर्नाटक के शिमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के बड़े बेटे बी.वाई. राघवेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

अग्रवाल ने पार्टी के कुछ अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ ईश्वरप्पा से मुलाकात की और उन्हें चुनाव नहीं लड़ने के लिए मनाने की कोशिश की। हालांकि, वह अड़े रहे और कहा कि वह निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगे और कोई भी उनका मन नहीं बदल सकता। ईश्वरप्पा से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अग्रवाल ने कहा कि यह उनकी निजी यात्रा थी और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।

अग्रवाल ने कहा, हम एक ही पार्टी के दोस्त हैं। यह हमारी निजी यात्रा थी। मैं उनके परिवार के साथ बैठा। वहां बच्चे थे। हम बच्चों से राजनीति पर बात नहीं करते। परिवार से मिलना मेरे लिए कोई राजनीतिक विषय नहीं है। बेटे के.ई. कांतेश को टिकट देने से इनकार करने पर ईश्वरप्पा ने रविवार को एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येडीयुरप्पा के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ईश्वरप्पा ने यहां संवाददाताओं को बताया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से सत्ता में आना चाहिए और पार्टी को बी.एस. येडीयुरप्पा और उनके परिवार के नियंत्रण से मुक्त होना चाहिए। मन में यही इरादा लेकर मैं लोकसभा चुनाव लड़ रहा हूं। ईश्वरप्पा ने कहा कि केंद्रीय स्तर के भाजपा नेता इस भ्रम में हैं कि केवल येडीयुरप्पा ही उन्हें निश्चित संख्या में सीट दिलाने में मदद कर सकते हैं।

केंद्र में बीजेपी फिर सत्ता में आएगी, पुनः प्रधानमंत्री बनेंगे मोदी: विजयेन्द्र येडीयुप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुप्पा ने विश्वास जताया कि भाजपा एक बार फिर केन्द्र में सत्ता हासिल करेगी और बेंगलूरु सेन्ट्रल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा की फिर से जीत तय है। यहां डबल रोड के पास मिशन रोड पर बेंगलूरु मध्य से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी पीसी मोहन के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा और केंद्र की सत्ता में आकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से कोई बुरी ताकतें नहीं रोक सकतीं। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने 2047 तक इस देश को विकसित

देशों की कतार में लाने का संकल्प लिया है। मोदी हमेशा कहते हैं कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को हम सभी को भी दोहराना है।

सांसद पीसी मोहन ने बताया कि उन्हें जनता ने चुना है और वह जनता के लिए और जनता के लिए काम कर रहे हैं। देश के विकास और इस हिस्से के विकास के लिए मोहन ने उन्हें भारी मतों से जिताने की अपील की। मोदी जी द्वारा अपनी सरकार के माध्यम से राज्य के लिए किए गए योगदान को देखते हुए लोग अगले लोकसभा चुनाव में राज्य की 28 में से 28 सीटों पर भाजपा-जेडीएस उम्मीदवारों को जिताएंगे। इसके जरिए उन्होंने भरोसा जताया कि वह सिद्दरामैया के सवाल का जवाब देंगे, 'मोदी का राज्य में क्या योगदान है?'

बेंगलूरु सेंट्रल लोकसभा उम्मीदवार पी.सी. मोहन ने कहा कि आज आये कार्यकर्ताओं का उत्साह देखें तो यह जीत जैसा है। मोदी ने पिछले 10 वर्षों में भ्रष्ट्राचार मुक्त और विकास समर्थक प्रशासन दिया है। उन्होंने हमें याद दिलाया कि जब हम 2014 में वोट मांगने गए थे, तो हम 2जी के 10 साल और कांग्रेस-यूपीए सरकार के विभिन्न भ्रष्ट्राचार घोटालों की किताब लेकर गए थे।

विधायक एस. सुरेश कुमार ने कहा कि 40 दिन बाद पीसी मोहन का दोबारा सांसद बनना तय है। हमें रात को दिन और दिन को दिन बनाने का काम करना है। इस मौके पर विधायक एस. रघु, जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, नेता भास्कर राव, निगम के पूर्व सदस्य और जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव से पहले मोदी कर्नाटक में दूसरी जनसभा को संबोधित करेंगे

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को शिमोगा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक में भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के गढ़ कलबुर्गी में जनसभा से की थी। पार्टी को अल्लमा प्रभु मैदान (फ्रीडम पार्क) में सोमवार को आयोजित होने वाली जनसभा में 2.5 लाख लोगों के आने की उम्मीद है। लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में दूसरी जनसभा भाजपा नेता बी एस येडीयुरप्पा के गृह जिले में होगी।

येडीयुरप्पा के बड़े बेटे बी वाई राघवेंद्र शिमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार हैं। पार्टी के बागी नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री के एस ईश्वरप्पा ने कहा कि वह इसी सीट से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

येडीयुरप्पा के दूसरे बेटे एवं भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख बी वाई विजयेंद्र ने तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ अल्लमा प्रभु मैदान का दौरा किया और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए कि जनसभा सुचारू रूप से आयोजित हो।

भाजपा का लक्ष्य 2019 के अपने प्रदर्शन को 2024 में भी दोहराने का है। पार्टी ने 2019 में 28 में से 25 सीट जीती थीं, जबकि कांग्रेस और जनता दल (एस) को सिर्फ एक-एक सीट से संतोष करना पड़ा था।

कल्याण कर्नाटक का इलाका भाजपा के लिए नहीं होगा आसान

लोकसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2019 के लोकसभा चुनाव में सात जिलों वाले कल्याण कर्नाटक क्षेत्र की सभी पांच सीट पर जीत दर्ज की थी लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को इलाके में मिली बढ़त को देखते हुए 2024 के आम चुनाव में उसके लिए राह आसान प्रतीत नहीं होती। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र या पूर्ववर्ती हैदराबाद कर्नाटक क्षेत्र में पांच लोकसभा सीट बीदर, गुलबर्गा, रायचूर, बेल्लारी और कोप्पल आते हैं। भाजपा ने गुलबर्गा (कलबुर्गी) से उमेश जाधव और भगवंत खुबा को बीदर से एक बार फिर मैदान में उतारा है। इस बार उसने बेल्लारी से कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु और कोप्पल से डॉ. बसवराज क्यावतर पर दांव लगाया है। पार्टी ने अभी तक रायचूर से अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस ने अभी तक इन पांच लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। उम्मीद की जा रही है कि पार्टी 20 मार्च को इन सीट से अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान करेगी। यदि विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन को संकेत माना जाए, तो 2018 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 17 सीट जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने 19 सीट हासिल की थीं। जनता दल सेक्युलर ने भी यहां से चार स्थानों पर जीत हासिल की थी। हालांकि, 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 26 सीट पर जीत दर्ज कर अपनी स्थिति मजबूत की थी, जबकि भाजपा को 10 सीट मिली थीं। जद (एस) ने दो सीटें हासिल कीं जबकि दो अन्य ने भी क्षेत्र से जीत हासिल की। भाजपा की इलाके में 2018 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 2023 में लोकप्रियता काफी कम हो गई थी। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने बेल्लारी (सभी पांच सीटें), रायचूर (सात में से चार), यादगीर (चार में से तीन), विजयनगर (चार में से दो) और कोप्पल (पांच में से तीन) में अच्छा प्रदर्शन किया।

बीदर ने 2023 में छह विधानसभा सीटों में से चार सीटें देकर भाजपा का समर्थन किया, वहीं कलबुर्गी (तत्कालीन गुलबर्गा) ने नौ में से सात सीट कांग्रेस को देकर भूमिपुत्र एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का समर्थन किया। कर्नाटक विधानसभा के लिए 2018 में हुए चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि 2019 में पूरे देश में मोदी लहर चली। कांग्रेस और जद (एस) की गठबंधन सरकार के खराब प्रदर्शन ने भाजपा को फायदे वाली स्थिति में ला दिया, और उसने 28 लोकसभा सीट में से 25 पर जीत हासिल की।

लोकसभा चुनाव-2019 में भाजपा जब लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी तो कांग्रेस और जद(एस)की 16 महीने पुरानी गठबंधन सरकार जून 2019 में गिर गई और भाजपा कर्नाटक में सत्ता में आई। इसने लगभग चार वर्षों तक राज्य पर शासन किया। भाजपा 2023 में अपनी लोकप्रियता बरकरार नहीं रख सकी और इसका असर कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में भी देखने को मिला।

बदमाशों को हथियार देने आये दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के गैंगस्टर-रोधी कार्य बल ने धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र में डकैतों एवं स्थानीय बदमाशों को अवैध हथियार की आपूर्ति करने आए दो बदमाशों को पकड़ कर उनके कब्जे से 20 आग्नेयास्त्र एवं 32 कारतूस बरामद किए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (गैंगस्टर-रोधी कार्य बल एवं अपराध) दिनेश एम.एन. ने बताया कि दोनों तस्करों से पूछताछ के बाद इनकी निशानदेही पर अवैध हथियार बनाने की फैक्टरी में दबिश देकर अवैध हथियार निर्माण में प्रयुक्त उपकरण भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गये तस्करों का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गैंगस्टर-रोधी कार्य बल की टीम ने मांगरोल रोड पर एक ढाबे के पास दबिश दी जहां प्लास्टिक की बोरी लेकर खड़े दो व्यक्ति पुलिस को देख घबराकर खेतों में भागने लगे। पुलिस टीम ने घेरकर उन दोनों को दबोच लिया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों तस्करों की पहचान मध्यप्रदेश निवासी इंद्रलाल कुशवाहा (50) एवं धौलपुर निवासी नरेंद्र सिंह कुशवाहा (38) के रूप में की गई है। अधिकारी के मुताबिक, दोनों तस्करों ने पुलिस को बताया कि वे हथियार व कारतूस डांग क्षेत्र में डकैतों एवं अन्य अपराधियों तक पहुंचाने के लिए नारायण लोधा नामक व्यक्ति से लाये थे।

राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करेगी भाजपा : मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर भारी मतों के अंतर से जीत हासिल करेगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ' भाजपा का कार्यकर्ता वर्ष के 365 दिन... 24 घंटे काम करनेवाला है। इसलिए हम पूरी तरह से तैयार हैं और हमें हमारे विकास के विजन, गरीब कल्याण की योजनाएं व हमारे कार्यकर्ताओं के समर्पण पर पूरा विश्वास है।' शर्मा ने कहा, 'हम 2014 और 2019 में लगातार 25 की 25 सीटों पर जीत हासिल करते हुए आ रहे हैं और अबकी बार भी हम 25 सीटें जीतेंगे। लेकिन इस बार अंतर अधिक होगा।'

ईआरसीपी से 21 जिलों के किसानों को मिलेगा लाभ : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा लोकसभा स्तर पर चलाये जा रहे कार्यक्रम लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रेसवार्ता आयोजित हुई, जिसे किसान आयोग के नव-नियुक्त अध्यक्ष सी.आर. चैधरी, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवत सिंह राजपुरोहित व डॉ. बलराम दून, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित गोयल ने सम्बोधित किया।

नव-नियुक्त किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चैधरी ने कहा कि ईआरसीपी से 21 जिलों को सिंचाई एवं पेयजल हेतु किसानों को पानी मिलेगा, जिससे 2.80 लाख हैक्टर सिंचाई लाभ हेतु 40 प्रतिशत आबादी को इसका लाभ मिलेगा। राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश में किसान सम्मान निधि योजना के तहत 06 हजार रूपये से बढ़ाकर 08 हजार रूपये किया गया, जिससे किसानों को आर्थिक सहयोग मिलेगा। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रेवत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 को मध्यनजर रखते हुये भाजपा किसान मोर्चा द्वारा 31 मार्च, 2024 तक लोकसभा स्तर पर लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। राजपुरोहित ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन को प्रत्येक लोकसभा स्तर पर प्रभावी रूप से किया जायेगा, जिसमें मोर्चा के समस्त प्रदेश पदाधिकारी, जिला एवं मण्डल पदाधिकारी मजबूती के साथ लग कर लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम को सफल बनायेंगे और राजस्थान से 25 के 25 लोकसभा सीट जीताकर पुनः मोदी जी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनायेंगे।

मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. बलराम दून ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा द्वारा आयोजित लाभार्थी किसान कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम के तहत प्रदेशभर के किसानों तक डबल इंजन सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचायेंगे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सिर्फ चार जातियां बताई है, जिसमें महिला, किसान, युवा एवं गरीब जिसके उत्थान के लिए मोदी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रेसवार्ता में मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बिरदीचंद चैधरी, प्रदेश कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र त्यागी, प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश कुमार ढाका, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी गुरजंट सिंह, नरपत यादव भी उपस्थित रहे।

भजन

जयपुर में रविवार को ओटीएस आवास पर भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी की अध्यक्षता में सैनी समाज के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

राजस्थान में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जैसलमेर। राजस्थान के जयपुर और जैसलमेर में रविवार सुबह दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में एक दंपति सहित चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल पर जा रहे एक दंपति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद बाइक सवार दंपति उछलकर 25 फीट ऊंची पुलिया से नीचे आकर गिरे। हादसे में दोनों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसा रविवार सुबह खिरनी फाटक के पास हुआ। मृतक बाइक सवार दंपति की पहचान मालीराम वर्मा (39) और पत्नी संजूलता (24) के रूप में की गई है। दोनों सांगानेर जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है और बाइक को टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। जैसलमेर में एक निजी कंपनी के दो सुरक्षा गार्डों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि महेंद्र जटिया और प्रद्युम्न खटीक सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे। दोनों रविवार सुबह रेलवे पटरियों के पास मृत पाए गए। उन्होंने बताया कि संभवतया दोनों किसी यात्री रेलगाड़ी की चपेट में आ गये। मामले की जांच की जा रही है।

गहलोत ने जनता से की कांग्रेस को जिताने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड का मुद्दा फिर से उठाते हुए कहा कि एनआईए इस मामले में कुछ नहीं कर पाई। हमारी सरकार होती तो आरोपियों को फांसी दे दी जाती। गहलोत ने लोकसभा चुनाव में प्रदेश की जनता से मार्मिक अपील कर कांग्रेस को आशीर्वाद देने की बात भी कही।

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को अपना करीब 8 मिनट का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह प्रदेश की जनता से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशियों को आशीर्वाद देने की बात कह रहे हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव में हार और अपने समय की योजनाओं का भी इस वीडियो में जिक्र किया है।

गहलोत ने कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में हम सबको विश्वास था कि सरकार रिपीट होगी। आम जनता में भी यह भावना थी, क्योंकि जो काम हुए और शिक्षा,स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा की जो योजनाएं बनी थी। कोई क्षेत्र ऐसा नहीं था, जिसे लेकर कोई योजना नहीं बनी थी। हमने महंगाई राहत शिविर चलाएं, जिनमें किसानों को और उपभोक्ताओं को बिजली की छूट दी गई। महंगाई के इस दौर में हर क्षेत्र के लोगों को राहत मिली थी। बेरोजगारी के दौर में जितनी नौकरी हमने दी, देश में कहीं भी नहीं मिली। प्रदेश अपनी योजनाओं को लेकर आजादी के बाद पहली बार देश में चर्चा में आया। कई प्रदेशों में हमारी योजनाओं को अपनाया जा रहा है। इस माहौल में चुनाव हुए थे, लेकिन दुर्भाग्य से चुनावी अभियान में केंद्रीय नेताओं और अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने हम पर झूठे आरोप लगाए। विधानसभा चुनाव से पहले मोदी तक ने

कह दिया कि हिंदुओं को पांच लाख मिले और मुसलमानों को 50 लाख दिए गए। ये झूठ जुमला बन गया। हमने कन्हैयालाल हत्याकांड में ध्यान रखा। दो घंटे में आरोपियों को पकड़ लिया। दो बच्चों को नौकरी दे दी और 50 लाख रुपए भी दिए। यह केस एनआईए ने ले लिया, जो अब कुछ नहीं कर पा रहे हैं। केस हमारे पास होता तो अभी तक आरोपियों को फांसी की सजा हो जाती। गहलोत ने आगे कहा कि दुर्भाग्य से झूठे प्रचार किए गए कि राजस्थान में रेप बहुत ज्यादा हो रहे हैं। कानून व्यवस्था नहीं है, विकास ठप हो गया है। झूठे आरोपों के कारण वह जनता को गुमराह करने में कामयाब हुए हैं। हमारी सरकार नहीं बन पाई। अब सरकार बने तीन महीने हो गए हैं। अभी तक तो काम करना शुरू ही नहीं कर पा रहे हैं। हमारी योजनाओं को बंद या कमजोर करने का काम किया गया है। राजीव गांधी युवा मित्रों को नहीं बख्शा गया। राजीव गांधी के नाम से एतराज था तो नाम बदल देते, कम से कम उनके काम को देखते कि किस तरह वे सरकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचा रहे थे। आज राशन की दुकान वालों को 6-6 महीने से कमीशन नहीं मिल रहा है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जिससे यह जाहिर होता है कि यह सरकार काम नहीं कर पा रही है। इस माहौल में हम चल रहे हैं। अब लोकसभा के चुनाव आ गए हैं और हमारे पास जो फीडबैक आ रहा है कि गांव-गांव में लोग हमारी सरकार की योजनाओं को याद कर रहे हैं। हमारी गवर्नेंस को याद कर रहे हैं। माहौल बन रहा है कि हम चुनाव जीत सकते हैं।

गहलोत ने कहा कि इतिहास गवाह है कि दो बार 25 सांसद भी जीते थे। आप बता दीजिए कि 25 सांसदों ने हमारे लिए कोई आवाज उठाई क्या, सरकार की योजनाओं के बारे में कोई बात की क्या? उन लोगों ने केंद्र से ईआरसीपी तक के मामले में गुमराह किया। प्रधानमंत्री का वादा भी पूरा नहीं किया गया। इस हालत में लोकसभा के चुनाव हो रहे हैं। राजस्थान में हम चुनाव जरूर हारे हैं पर हमारा वोट प्रतिशत कम नहीं हुआ है, बल्कि बढ़ा है। यह इस बात का प्रतीक है कि जनता ने विश्वास प्रकट किया है। अशोक गहलोत ने इस अपील में जनता से कांग्रेस प्रत्याशियों को लोकसभा चुनाव में आशीर्वाद देने की बात कही।

राजस्थान में इतिहास दोहराने पर भाजपा की निगाहें

लोकसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी आम चुनाव में राजस्थान के अपने पिछले प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश में जुटी है और पार्टी को उम्मीद है कि वह राज्य की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। वहीं कांग्रेस, भाजपा के इस सपने को पूरा होने से रोकने की कवायद में जुट गयी है। भाजपा ने 2019 लोकसभा चुनावों में राज्य की 24 सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि 2018 विधानसभा चुनाव में पार्टी को कांग्रेस के हाथों शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

राज्य की बची एक लोकसभा सीट पर भाजपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी है और उसे सारे समीकरण फिर अपने पक्ष में नजर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस को पूर्वी राजस्थान से मुंह की खानी पड़ी थी जबकि 2018 विधानसभा चुनावों में उसने क्षेत्र की अधिकांश विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। विधानसभा चुनाव 2018 में गुर्जर समुदाय ने कांग्रेस को इस उम्मीद से वोट दिया था कि सचिन पायलट राज्य के मुख्यमंत्री होंगे जबकि ऐसा नहीं हुआ।

यही कारण है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इलाके की सभी सीटों पर जीत हासिल की थी हालांकि, राज्य की अन्य सीटों की तुलना में पूर्वी राजस्थान की तीन सीटों पर जीत का अंतर अपेक्षाकृत कम था। गत लोकसभा चुनाव में भाजपा की जसकौर मीणा ने दौसा से 78,444 वोटों के अंतर से जबकि मनोज राजोरिया ने करौली-धौलपुर सीट पर 97,682 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। टोंक-सवाई माधोपुर में सुखबीर सिंह जौनपुरिया ने 1,11,291 के अंतर से चुनाव जीता था।

पायलट ने 2018 में अपना पहला विधानसभा चुनाव टोंक विधानसभा सीट से जीता था जो टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। मारवाड़ क्षेत्र में कांग्रेस को संसदीय चुनावों में जोधपुर से अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा था, जहां तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत अपना पहला चुनाव भाजपा के गजेंद्र शेखावत से 2,74,440 वोटों से हार गए थे।

जोधपुर गहलोत का गृहनगर है और कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। वैभव की हार गहलोत और कांग्रेस दोनों के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी थी। केंद्रीय मंत्री शेखावत इस बार फिर से इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह 2014 से जोधपुर से लोकसभा सांसद हैं। कांग्रेस ने इस सीट पर इस बार अपना प्रत्याशी बदलते हुए करण सिंह उचियारड़ा को मैदान में उतारा है। उचियारड़ा कांग्रेस की प्रदेश इकाई के महासचिव हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा ने नागौर की सीट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की घटक राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के लिए छोड़ दी थी, जहां हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस उम्मीदवार ज्योति मिर्धा को 1,81,260 वोटों के अंतर से हराया था।

मिर्धा, अब भाजपा में हैं और उन्हें नागौर से पार्टी का टिकट दिया गया है। 2020 में किसानों आंदोलन को लेकर आरएलपी ने भाजपा के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर दिया था। राज्य के दक्षिणी हिस्से वाले मेवाड़ क्षेत्र में 2018 विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उभरी भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) ने दो विधानसभा सीटें पर जीत हासिल की थी। बीटीपी ने बांसवाड़ा और डूंगरपुर इलाके में कांग्रेस और भाजपा दोनों को काफी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि, इसके बाद हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में कामयाब रही और उसने बांसवाड़ा (3,05,464 वोट), चित्तौड़गढ़ (5,76,247 वोट), उदयपुर (4,37,914 वोट) और राजसमंद सीट (5,51,916 वोट) पर बहुत बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

मेवाड़ क्षेत्र में भाजपा का विधानसभा चुनाव 2018 में प्रदर्शन अच्छा रहा था, जिसका फायदा उसे बाद के लोकसभा चुनाव में भी मिला। वहीं पार्टी ने हाड़ौती क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बरकरार रखा, जहां उसने कोटा-बूंदी सीट (ओम बिरला) और झालावाड़-बारां सीट (दुष्यंत सिंह) पर जीत हासिल हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह ने 4,53,928 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उत्तरी राजस्थान (बीकानेर, गंगानगर) और शेखावाटी क्षेत्र (चूरू, सीकर, झुंझुनू) में, पार्टी ने हर सीट पर लगभग तीन लाख के अंतर से जीत हासिल की थी।

कोटा से लापता जेईई अभ्यर्थी को केरल से ढूंढ निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा से पिछले पांच महीनों से लापता संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) अभ्यर्थी को केरल के तिरुवनंतपुरम से ढूंढ लिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (कोटा शहर) अमृता दुहान ने एक बयान में बताया कि बिहार के राघोपुर-सुपौल का रहने वाला 17-वर्षीय अभ्यर्थी कोटा में जेईई की तैयारी कर रहा था और विज्ञान नगर इलाके के एक छात्रावास में रह रहा था।

उन्होंने बताया कि गुमशुदा लड़के के पिता ने नौ नवंबर को बेटे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उनका बेटा पांच अक्टूबर को छात्रावास से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। अधिकारी ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ ने पूछताछ शुरू की। उन्होंने बताया हालांकि, लड़के ने अपना मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया खाता बदल लिया था।

पुलिस के मुताबिक, सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की एक टीम आठ मार्च को केरल पहुंची और व्यापक तलाशी के बाद बृहस्पतिवार को लड़के को ढूंढ लिया गया।

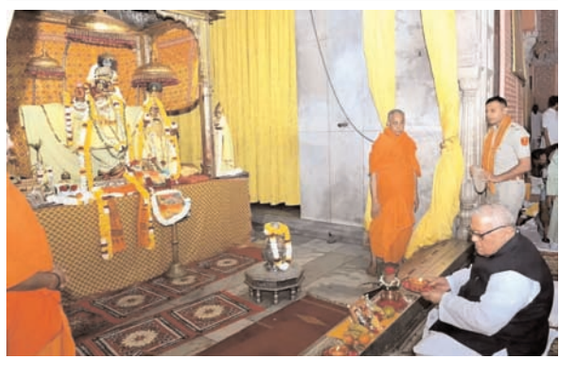

मिश्र ने गोविंद देवजी मन्दिर में पूजा अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने गोविंद देवजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की संपन्नता और खुशहाली के लिए कामना की है। मिश्र रविवार प्रातः गोविंददेव मंदिर में जन जन के आराध्य भगवान गोविंद देव जी की आरती उतारी और विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने भगवान को लगाएं छप्पन भोग की झांकी के भी दर्शन किए। बाद में उन्होंने मंदिर प्रांगण में लगभग 200 वर्षों से मनाए जा रहे फागोत्सव में भी भाग लिया।

लोकसभा चुनाव में 85 प्लस उम्र वालों को मिलेगी होम वोटिंग सुविधा, पोस्टल बैलेट सुविधा जारी रहेगी : प्रवीण गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर रविवार को जयपुर में मीडियाकर्मियों के लिए शासन सचिवालय में आमुखीकरण कार्यशाला हुई। राजस्थान में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में हुई कार्यशाला में प्रदेश भर के मीडियाकर्मियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में मीडियाकर्मियों से संवाद के दौरान गुप्ता और अन्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव से जुड़े सवालों पर अपने जबाव दिए। गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव में 85 साल से अधिक उम्र के लोगों को होम वोटिंग की सुविधा मिलेगी। विधानसभा चुनाव में 80 उम्र तय की गई थी। होम वोटिंग सुविधा की विधानसभा चुनाव में भी सराहना हुई थी। सर्विस वोटर के लिए पोस्टल बैलेट की सुविधा रहेगी। दो फेज के चुनावों की तारीख से पहले 10 दिन तक पोस्टल बैलेट की सुविधा मिलेगी। पुलिस, पत्रकार आदि के लिए अंतरजिला सुविधा को भी जारी रखा गया है।

गुप्ता ने कहा कि आओ बूथ चले अभियान के जरिए मतदाताओं के लिए सुविधा संवाद किया जा रहा है, ताकि बीएलओ से मदद नहीं मिलने पर खुद के स्तर पर एप, हेल्प लाइन नम्बर और वेबसाइट आदि से खुद की जानकारी हासिल की जा सके। मतदाता को यदि बीएलओ से शिकायत है तो वे सीधे वोटरआईडी एप, हेल्पलाइन नंबर या वेबसाइट पर जाकर अपनी जानकारी हासिल कर सकते हैं। गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव में तकनीक के जरिए हमने सुविधाएं मुहैया कराई हैं, ताकि कोई भी मतदाता वंचित नहीं रहे। अतिसंवेदनशील बूथों पर उन्होंने कहा कि अतिसंवेदनशील बूथ तय करने के 7 प्रकार होते हैं। हमारे जिला निर्वाचन अधिकारी और आब्जर्बर इसकी रिपोर्ट हमें देंगे। इसके बाद हम फैसला लेकर कानून व्यवस्था में बदलाव करेंगे।

उन्होंने बताया कि चुनाव खर्च सीमा इस बार 95 लाख है,जबकि पिछली बार यह 80 लाख थी। ईको फ्रेंडली चुनाव के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी और राजनीतिक दलों के लोगों को कहा गया है कि वे अपनी सामग्री को लेकर ईको फ्रेंडली का ध्यान रखें। गुप्ता ने कहा कि हेट स्पीच मामलों की हम लगातार मोनिटरिंग करते हैं। उच्च स्तर पर चर्चा के बाद हम फैसला लेते हैं। लोकसभा चुनाव में वोटिंग रुझान कम रहने के सवाल पर कहा कि लोकसभा में 8 विधानसभा होती हैं। वोट प्रतिशत बढ़ाना हमारे लिए चुनौती है और हम बूथ लेवल पर इसके लिए काम कर रहे हैं।

सीजर कार्रवाई को लेकर कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में भी हम अन्य सरकारी एजेंसियों की मदद से निगरानी रखेंगे। खासकर बॉर्डर क्षेत्र से सटे इलाकों में ज्यादा फोकस रहेगा। बॉर्डर एरिया के लिए पड़ोसी राज्यों के अफसरों से जल्दी बैठक भी करेंगे।

रानीवाडा में अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

जालोर। रानीवाड़ा थाना में दुदवट गांव में ब्याज पर दिए उधार पैसों की वसूली को लेकर अधेड़ की हत्या करने का मामला दर्ज हुआ है। थानाधिकारी देवीदान बारहठ ने बताया कि गोलवाड़ा निवासी पारसाराम मेघवाल ने रिपोर्ट देकर बताया कि उसके परिवार की भावली दुदवट के मानाराम चौधरी के खेत पर है।

जहां जीरा की फसल बुवाई की गई है। शनिवार सुबह गोलवाड़ा निवासी भैराराम पुत्र प्रभाराम मेघवाल का उधारी की राशि वसूलने को लेकर फोन आया। पिताजी छगनाराम (50) के कहने पर रानीवाड़ा पैसे लेने आया, लेकिन बैंक से पैसे नहीं मिलने पर वापस खेत पहुंचा। दिन में 12:30 बजे खेत पर आरोपी भैराराम ने पिता छगनाराम के साथ मारपीट की। चिल्लाने पर पारसाराम का भाई खेत की ओर दौड़ा, मगर तब तक छगनाराम की मौत हो गई।

पारसाराम ने बताया कि तीन साल पहले उसकी शादी के वक्त उसके पिताजी ने भैराराम से एक लाख उधार लिए थे। हर साल ब्याज के रूप में 24 हजार नियमित देते रहे। अब पूरी राशि वसूलने की धमकी दी जा रही थी, नहीं देने पर मौत के घाट उतारने की बात कह रहा था। आज कुल पांच लोगों ने मिलकर उसके पिताजी की हत्या कर दी। परिजनों ने भैराराम को पकड़कर पुलिस को सुपुर्द किया। पिंटू मेघवाल पूरण, अरविंद मेघवाल मालवाड़ा और घेवाराम गोलवाड़ा सहित अज्ञात जीप ड्राइवर फरार है। पारसाराम की रिपोर्ट पर आईपीसी धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

भाजपा शोर मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ''शोर बहुत मचाती'' है लेकिन उसमें संविधान को ''बदलने'' का साहस नहीं है। राहुल ने यह भी कहा कि सच्चाई और देश की जनता उनके साथ है।

भाजपा सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने हाल में कहा था कि उनकी पार्टी को संविधान में संशोधन करने के लिए और ''कांग्रेस द्वारा इसमें जोड़ी गईं अनावश्यक चीजों को हटाने के लिए'' संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। इसके बाद भाजपा ने हेगड़े की टिप्पणियों से पैदा हुए विवाद को शांत करने की कवायद में इसे उनका ''निजी विचार'' बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा था।

राहुल गांधी मुंबई में महात्मा गांधी के आवास मणि भवन से अगस्त क्रांति मैदान तक 'न्याय संकल्प पदयात्रा' करने के बाद यहां एक सभा को संबोधित कर रहे थे। अगस्त क्रांति मैदान में ही ब्रिटिश राज से आजादी के लिए भारत के संघर्ष के दौरान 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ था। उन्होंने कहा, भाजपा बहुत शोर मचाती है लेकिन उसमें संविधान को बदलने का साहस नहीं है। सच्चाई और लोगों का समर्थन हमारे साथ है। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने कहा कि मौजूदा लड़ाई केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच नहीं बल्कि दो ''अभिव्यक्तियों'' के बीच है। उन्होंने कहा, कोई सोचता है कि देश एक केंद्र से चलना चाहिए, जहां एक व्यक्ति के पास सारा ज्ञान है। इसके विपरीत, हम सोचते हैं कि शक्ति का विकेंद्रीकरण होना चाहिए और लोगों की आवाज सुनी जानी चाहिए। राहुल ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास आईआईटी की डिग्री है तो इसका यह मतलब नहीं है कि उसके पास किसी किसान के मुकाबले ज्यादा ज्ञान है। लेकिन भाजपा इस तरह काम नहीं करती है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है कि सिर्फ एक व्यक्ति के पास ज्ञान है...किसान, मजदूर और बेरोजगार युवाओं को कोई ज्ञान नहीं है।

चुनावी बॉण्ड 'एक प्रयोग', कितना फायदेमंद रहा समय बताएगा : आरएसएस नेता होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड एक ''प्रयोग'' है और वक्त आने पर पता चलेगा कि यह कितना फायदेमंद और प्रभावी रहा।

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने रविवार को दत्तात्रेय होसबाले को तीन साल के लिए पुन: सरकार्यवाह (महासचिव) निर्वाचित किया।

चुनावी बॉण्ड मुद्दे पर जतायी जा रही चिंताओं और लाभ पाने के लिए इन्हें खरीदने के दावों के बारे में होसबाले ने कहा कि संघ ने अभी तक इसके बारे में चर्चा नहीं की है क्योंकि चुनावी बॉण्ड एक ''प्रयोग'' है। उन्होंने कहा, यह नियंत्रण और संतुलन के साथ किया गया और ऐसा नहीं है कि चुनावी बॉण्ड आज अचानक पेश किए गए, ऐसी योजना पहले भी लायी गई थी। जब भी कोई बदलाव होता है तो सवाल उठाए जाते हैं। जब ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें) लायी गई थीं तब भी सवाल उठाए गए थे।

होसबाले ने कहा, जब नई चीजें आती हैं तो लोगों का सवाल उठाना स्वाभाविक है। लेकिन वक्त आने पर पता चलेगा कि नई व्यवस्था कितनी फायदेमंद और प्रभावी रही। इसलिए संघ को लगता है कि इसे प्रयोग के लिए

छोड़ देना चाहिए। नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा कि संघ समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि इसे लागू करने की मांग वाला एक प्रस्ताव कई साल पहले संगठन की 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' में पारित किया गया था।

होसबाले ने कहा, इसे (भाजपा शासित) उत्तराखंड में लागू किया गया है। हम चाहेंगे कि इसे पूरे देश में लागू किया जाए। लेकिन उत्तराधिकार, गोद लेना, विवाह और अन्य मुद्दे जैसे कुछ विवरण हैं जिन पर चर्चा करने की आवश्यकता है और फिर वे आगे बढ़ सकते हैं।

उन्होंने कहा, लोगों ने देखा है कि देश ने पिछले 10 वर्षों में कितनी प्रगति की है और यहां तक कि प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और राजनीतिक विचारकों ने भी दोहराया है कि वर्तमान सदी भारत की सदी है। उन्होंने कहा, ऐसा कहने से उनके लिए कुछ अच्छा ही हो रहा होगा। वैसे भी, लोग चार जून (लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन) को अपना फैसला सुनाएंगे।

कांग्रेस मुसलमान को ठगने वाले दलों में सबसे आगे : राजभर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस को मुसलमान को ठगने वाली सबसे प्रमुख पार्टी करार देते हुए दावा किया कि देश पर आधी सदी से भी ज्यादा समय तक शासन करने वाली इस पार्टी की नीतियों के कारण सरकारी नौकरियों में मुसलमानों की भागीदारी एक प्रतिशत भी नहीं है। राजभर ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा, मुसलमानों को ठगने में कांग्रेस नंबर वन पार्टी है। उसके बाद प्रदेश में समाजवादी पार्टी और तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी है।

राजभर ने कहा, ये लोग वोट के लिए मुसलमानों के बारे में बहुत सारी बातें करते हैं। लेकिन उन्होंने उनकी बेहतर शिक्षा के लिए क्या किया है। उन्होंने दावा किया कि आजादी के बाद सरकारी नौकरियों में 38 प्रतिशत मुसलमान थे लेकिन कांग्रेस 50 साल से अधिक समय तक सत्ता में रही और उनकी नीतियों के कारण आज सरकारी नौकरियों में मुसलमान की भागीदारी एक प्रतिशत भी नहीं है। राजभर ने कहा, इसके लिए कौन जिम्मेदार है। क्या भाजपा जिम्मेदार है? उन्होंने (कांग्रेस, सपा और बसपा) अल्पसंख्यकों और भाजपा के बीच खाई पैदा कर दी है। मैं मुस्लिम भाइयों से आग्रह करूंगा कि वे नफरत छोड़ें और विकास के लिए लड़ें। इन लोगों (कांग्रेस और समाजवादी पार्टी) को छोड़ें और हमारे साथ आकर योजनाओं का लाभ उठाएं।

ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि कम से कम 15 से 20 प्रतिशत मुसलमान भाजपा को वोट देने जा रहे हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटें जीतेगा।

विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग चुनावी मुद्दा होगा : तेजस्वी यादव

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के नेताओं के खिलाफ सीबीआई और ईडी जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग लोकसभा चुनाव में मुद्दा होगा। 'इंडिया' गठबंधन में कांग्रेस और राजद सहित 20 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। मुंबई हवाई अड्डा पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने कहा, ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियां 'इंडिया' के सहयोगियों के खिलाफ काम कर रही हैं। यही वह मुद्दा है जिस पर गठबंधन चुनाव लड़ेगा। इस बीच, वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के नेता प्रकाश आंबेडकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह शिवाजी पार्क में रैली में शामिल होंगे।

लोकसभा चुनाव : असम के चार अलग-अलग क्षेत्रों में जनसांख्यिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

गुवाहाटी/भाषा। असम की विविधतापूर्ण जनसांख्यिकी राज्य की 14 लोकसभा सीट के लिए तीन चरण में होने वाले चुनाव में एक निर्णायक कारक होगी, जो चार अलग-अलग क्षेत्रों (ब्रह्मपुत्र घाटी, बराक घाटी, पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर)) में फैली हुई है। स्वदेशी असमिया लोग, हिंदू बंगाली, असमिया मुसलमानों और बंगाली भाषी अप्रवासियों समेत अल्पसंख्यक वर्ग, जातीय रूप से जनजाति और चाय की खेती करने वाले जनजातीय समुदाय 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और सात मई को होने वाले मतदान के दौरान विभिन्न इलाकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ब्रह्मपुत्र घाटी के पांच निर्वाचन क्षेत्रों डिब्रूगढ़, जोरहाट, काजीरंगा, लखीमपुर और सोनितपुर के लिए मतदान पहले चरण में 19 अप्रैल को होगा।

पहले चरण में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, लोकसभा में प्रतिपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई, भाजपा के राज्यसभा सदस्य और पार्टी प्रवक्ता कामाख्या प्रसाद तासा के अलावा मौजूदा भाजपा सांसद तपन गोगोई, प्रदान बरुआ और असम के विधायक एवं पूर्व मंत्री रंजीत दत्ता के राजनीतिक भविष्य का फैसला होगा। इन निर्वाचन क्षेत्रों में असमिया की मिश्रित आबादी है, जिसमें राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ताई-अहोम समुदाय, चाय की खेती करने वाली जनजातियां भी शामिल हैं। चाय की खेती करने वाली जनजातियां पहले कांग्रेस की वफादार मतदाता हुआ करती थीं। लेकिन 2014 के बाद से इन जनजातियों का झुकाव भाजपा के प्रति हो गया। इसके अलावा मिसिंग और सोनोवाल-कचारी जनजातियों का झुकाव भी भजपा की तरफ है। भाजपा ने सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों में पिछले एक दशक में गहरी पैठ बनाई है और विपक्षी दलों को इन क्षेत्रों में अपना प्रभाव बनाने के लिए काफी प्रयास करने होंगे।

सात चरणों के चुनाव भाजपा सरकार की विदाई की 'क्रोनोलॉजी' है : अखिलेश यादव

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सात चरणों के चुनाव भाजपा सरकार की विदाई की 'क्रोनोलॉजी' है। यादव ने भाजपा को दु:ख, दर्द और दमन का प्रतीक करार दिया।

अखिलेश यादव ने यहां एक बयान में कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में होने हैं और निर्वाचन आयोग की घोषणा का स्वागत है। उन्होंने कहा कि सात चरणों के चुनाव दरअसल दु:ख, दर्द और दमन का प्रतीक बन चुकी भाजपा सरकार की सात चरणों में हो रही विदाई की 'क्रोनोलॉजी' (कालक्रम विज्ञान) है। यादव ने कहा कि जनता इन सात चरणों के चुनाव में भाजपा को हराएगी और केंद्र की सत्ता से बाहर निकाल फेंकेगी। उन्होंने कहा कि यही जनता की एक मात्र इच्छा और आकांक्षा है। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव 2024 के तारीखों की घोषणा की। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के सभी सात चरणों के तहत मतदान होगा, जो 19 अप्रैल से शुरू होकर एक जून को समाप्त होगा। यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के 10 वर्ष जनता के लिए परेशानी और यातनाओं से भरे रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई, भ्रष्टाचार, अन्याय और अत्याचार सरकार का अभिन्न अंग बन गए हैं। पुलिस प्रशासन बेलगाम है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि पुलिस हिरासत में लोगों की मौतें हो रही है, महिलाएं एवं बच्चियां अपमानित और असुरक्षित हैं और 'डबल इंजन' की भाजपा सरकार में देश और प्रदेश का विकास नहीं हुआ है।

एनआईए ने पीएफआई पटना मामले में एक और आरोपी के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बिहार की राजधानी पटना में प्रतिबंधित 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) की गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से संबंधित मामले में एक और आरोपी के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि पीएफआई की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष मोहम्मद रेयाज मोआरिफ उर्फ बबलू के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया गया है और इसी के साथ मामले में अब तक जिन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है, उनकी संख्या बढ़कर 40 हो गई है।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच से पता चला कि केंद्र सरकार द्वारा पीएफआई पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भी मोआरिफ इस संगठन के बैनर तले गैरकानूनी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल था।

राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए बोझ बन गए हैं: मुख्तार अब्बास नकवी

कोलकाता/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन के लिए 'बोझ' बन गए हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के हाथों हार के बाद कई विपक्षी दलों को मान्यता खोने का जोखिम हो सकता है।

पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन से उत्पन्न हुई आशंकाओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा, मुसलमानों सहित एक भी भारतीय नागरिक नए कानून से प्रभावित नहीं होगा और उन्होंने विपक्ष पर देशभर में सांप्रदायिक संघर्ष और भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में नकवी ने विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस के प्रति जनता के बीच विश्वास की व्यापक कमी का हवाला देते हुए, लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार की निर्णायक जीत का पूर्वानुमान जताया। उन्होंने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें सुसंगत नेतृत्व और नीतियों का अभाव है, गठबंधन का आंतरिक संघर्ष और महत्वाकांक्षाएं इसकी प्रभावशीलता में बाधा बन रही हैं। उन्होंने कहा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' उनके सहयोगियों के लिए एक चुनौती है, भाजपा के लिए नहीं। उनके बीच बहुत संघर्ष और भ्रम है क्योंकि न तो कोई नेतृत्व है और न ही कोई स्पष्ट नीति है।

कांग्रेस की हालत इतनी खराब है कि सोनिया गांधी को भी राज्यसभा के रास्ते संसद जाना पड़ा: चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि कांग्रेस की हालत इतनी बुरी हो गई है कि सोनिया गांधी जैसी नेता तक को संसद पहुंचने के लिए लोकसभा चुनाव लड़ने के बजाय पिछले दरवाजे राज्यसभा का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी की निर्णय लेने की क्षमता भ्रम से भरी है और कांग्रेस को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं मिल रहे।

विदिशा से लोकसभा चुनाव लड़ रहे चौहान ने कहा, राहुल गांधी एक ऐसे कप्तान हैं, जो नहीं जानते कि क्या करना है और कब करना है। जब उन्हें चुनाव की तैयारी करनी चाहिए, तब वह यात्रा पर निकल जाते हैं, और जब उन्हें यात्रा पर निकलना चाहिए, तब वह विदेश चले जाते हैं। फिर हार के बाद वह ईवीएम को लेकर शोर मचाएंगे।

चौहान ने कहा, कांग्रेस के विचारशील नेता पार्टी की खराब हालत देखकर इसे छोड़ रहे हैं। एक के बाद एक चुनाव हारने के बाद हालात इतने खराब हैं कि सोनिया गांधी ने भी चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया और राज्यसभा के जरिए पिछले दरवाजे से एंट्री ले ली। अब कोई कल्पना कर सकता है कि उस पार्टी का क्या होगा, जिसके सर्वोच्च नेता का आत्मविश्वास डगमगा गया है। 2014 के बाद कांग्रेस 50 चुनाव हारी है, यहां तक कि 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी भी अमेठी से हार गए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, लोस चुनाव के लिए कांग्रेस में उम्मीदवारों की कमी है। मैडम (सोनिया गांधी) को चुनाव न लड़ते देख, सभी शीर्ष नेता पीछे हट गए हैं। कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है. राहुल गांधी जहां जाते हैं, न केवल पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

ओडिशा के कोरापुट में वाहन पलटने से दो लोगों की मौत, 40 अन्य घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कोरापुट जिले में एक पिकअप वैन के पलटने से दो लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सभी लोग वैन में सवार होकर विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना कुंद्रा थाना क्षेत्र में खटलापदर पुल के नजदीक हुई। विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोग वाहन में सवार होकर बोइपरिगुडा ब्लॉक के दलापुर गांव से बोरीगुम्मा ब्लॉक के ग्राम नुआगांव की ओर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि चालक ने खचाखच भरी पिकअप वैन पर से नियंत्रण खो दिया, जिसकी वजह से वाहन पलट गया। पुलिस के मुताबिक, हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 40 अन्य लोगों को जेपोर के जिला अस्पताल ले जाया गया।

महिला राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप में हरियाणा, ओडिशा और मिजोरम जीते

पुणे/भाषा। हरियाणा, ओडिशा और मिजोरम ने रविवार को यहां हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। इस जीत की बदौलत हरियाणा और ओडिशा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। हरियाणा अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल डी मैच में पुडुचेरी को 22-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की। ओडिशा ने पूल ई के मुकाबले में चंडीगढ़ को 6-1 से हराया, जबकि पूल एफ मुकाबले में मिजोरम ने राजस्थान पर 20-2 से जीत हासिल की। शनिवार को खेले गए दिन के आखिरी दो मैचों में तमिलनाडु और उत्तराखंड ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पूल एच में गुजरात को 6-0 जबकि उत्तराखंड ने पूल जी मैच में दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव को मात दी।

एनपीपी अरुणाचल प्रदेश में भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन करेगी: कोनराड संगमा

गुवाहाटी/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने रविवार को कहा कि उनकी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीट पर कोई उम्मीदवार नहीं उतारेगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। एनपीपी केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है।

संगमा ने 'एक्स' पर कहा, नेशनल पीपुल्स पार्टी ने अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीट पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। राजग में साझेदार होने के नाते एनपीपी की राष्ट्रीय समिति ने अरुणाचल प्रदेश में राजग उम्मीदवारों का समर्थन करने का फैसला किया है और राज्य समिति को राजग उम्मीदवारों को समर्थन देने का निर्देश दिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राजग सहयोगियों की ऐसी प्रतिबद्धता सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट सुनिश्चित करेगी। शर्मा ने कहा, हमारे साझेदारों के बीच ऐसी अद्वितीय प्रतिबद्धता माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 400 से अधिक सीट पर राजग की जीत सुनिश्चित करेगी।

आईपीएल खेलने के लिए कोहली भारत लौटे, आरसीबी ट्रेनिंग शिविर से जुड़ेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने बेटे अकाय के जन्म के बाद रविवार को भारत लौट आए और आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के ट्रेनिंग शिविर में जुड़ने को तैयार हैं।

कोहली ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला लेते हुए भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट शृंखला से हटने का फैसला किया था। बाद में बताया गया कि यह ब्रेक इसलिए लिया गया ताकि यह स्टार बल्लेबाज ब्रिटेन में अपने बेटे के जन्म के समय अपनी पत्नी के साथ रह सके। आईपीएल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने ट्वीट किया, विराट कोहली लौट आए हैं। 'रेड किंग' भारत में 22 मार्च को सीएसके के खिलाफ अपना आईपीएल अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं। इसमें लिखा था, किंग के लिए चीयर करने और 'किंगली बीट्स' पर थिरकने के लिए तैयार हो जाइये क्योंकि स्टार स्पोर्ट्स का नया एंथम 'कोहली कॉलिंग' सभी मंच पर रिलीज हो गया है। इस आईपीएल में कोहली के संबंध में सभी चीजों के लिए स्टार स्पोर्ट्स पर ट्यून करें। कोहली रविवार को मुंबई पहुंचे और उनके जल्द ही टीम के ट्रेनिंग शिविर से जुड़ने की उम्मीद है। आरसीबी अभी तक आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। कोहली ने पिछले आईपीएल सत्र में 639 रन बनाए थे।

'अश्विन ने चुनौतियों को प्रगति पर अंकुश नहीं लगाने दिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। रविचंद्रन अश्विन के 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट चटकाने से खुश महान स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा कि पिछले एक दशक में इस ऑफ स्पिनर के सामने कई चुनौतियां आयी लेकिन वह लगातार सीखने के जज्बे और इच्छाशक्ति से इससे पार पाने में सफल रहे।

अश्विन के नाम टेस्ट में 516 विकेट है और वह भारत के लिए कुंबले (619) के बाद दूसरे सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। भारत के पूर्व लेग स्पिनर कुंबले इससे बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं थे।

कुंबले ने अश्विन को 100 टेस्ट और 500 विकेट पूरे करने पर तमिलनाडु क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कहा, अश्विन के सामने कई चुनौतियां आई हैं।उन्होंने किसी भी चुनौती को अपनी प्रगति में रोड़ा बनने का मौका नहीं दिया। वह एक दशक से अधिक समय से देश के लिए एक असाधारण मैच विजेता

रहा है, और उसने जो निरंतरता दिखाई है, वह शानदार है। कुंबले ने कहा, इस तरह की सफलता के लिए अपने उद्देश्य के प्रति पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है। कुंबले ने कहा कि अश्विन भारतीय प्रशंसकों द्वारा उनसे की गई भारी उम्मीदों से निपटने में सक्षम हैं।

महान स्पिनर अनिल कुंबले ने खेल के बारे में विशेषकर प्रतिद्वंद्वी के खेल के बारे में अश्विन की परख की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम का कोच था तब हमने एक साल तक एक साथ काम किया था। वह पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरते है। जिन खिलाड़ियों के खिलाफ उनका मुकाबला था उनके बारे में वह पूरी जानकारी रखते थे।

भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि अश्विन ने देश में स्पिन गेंदबाजी का स्वरूप बदल दिया। उन्होंने कहा, मैं उस विरासत के बारे में सोच रहा हूं जो अश्विन जैसा खिलाड़ी खत्म होने के बाद छोड़ेगा। मेरा मानना है कि अभी उसे अपने करियर में लंबा सफर तय करना है।

द्रविड़ ने कहा, स्पिन गेंदबाजी के बारे में सोचते ही, उन्होंने स्पिन गेंदबाजी के बारे में हमारी समझ और ज्ञान को आगे बढ़ाया है, जो एक महान विरासत है। उन्होंने स्पिन गेंदबाजी की कला और विज्ञान को बहुत बेहतर बनाया है।

सुविचार

जिंदगी भर याद रहता है, मुश्किल में साथ देने वाला, और मुश्किल में साथ छोड़ने वाला।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका की 'चिंता'

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), 2019 के बारे में अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के बयान से संदेह पैदा होता है कि कथित महाशक्ति का राज-काज संभालने वाले लोग इस अधिनियम की मूल प्रति पढ़ने के बजाय सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे क्यासों पर विश्वास कर रहे हैं। न केवल सोशल मीडिया, बल्कि कई देशों में मुख्यधारा का मीडिया सीएए को लेकर भ्रमित है। इसमें पाकिस्तानी मीडिया सबसे आगे है। उसे तो इस बात पर लज्जित होना चाहिए कि उसके मुल्क की सरकार अपने अल्पसंख्यकों के जीवन और सम्मान की सुरक्षा करने में विफल रही है, इसीलिए भारत सरकार को सीएए लागू करना पड़ा। यह भी संदेह होता है कि आजकल अमेरिकी विदेश मंत्रालय के लोग अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में पाकिस्तानी मीडिया की बेसिर-पैर की खबरें ही बांच रहे हैं। सीएए के संबंध में अमेरिका का बयान क्या कहता है? यही कि वह चिंतित है और क्रियान्वयन पर नजर रख रहा है! बहुत अच्छी बात है। खूब नजर रखे। बल्कि उसके लिए एक विनम्र सुझाव है कि भारत के सीएए के विरोध में वह खुद ऐसा कानून लागू कर दे, जिसमें पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के 100 प्रतिशत लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान हो! क्या राष्ट्रपति जो बाइडेन यह हिम्मत दिखा पाएंगे? अमेरिका के पास न तो जगह की कमी है और न ही संसाधनों का अकाल है। फिर किस बात की देरी? बाइडेन महोदय आज ही यह घोषणा कर दें। और पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश के लिए ही क्यों, मैक्सिको, चिली, ब्राजील, चीन ... के लिए भी नागरिकता का पिटारा खोल दे। इन दिनों रूस-यूक्रेन युद्ध हो रहा है। अमेरिका को चाहिए कि वह मानवाधिकार, करुणा और भाईचारे के नाम पर इन दोनों देशों के लोगों के लिए नागरिकता प्रमाणपत्र जारी करे। बस, लोगों को इतना करना हो कि वे नजदीकी अमेरिकी दूतावास जाएं, वहां अपना नाम लिखवाएं और तुरंत नागरिकता प्रमाणपत्र ले आएं। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति की जो जय-जयकार होगी, वह सामान्य लोगों की तो कल्पना से परे है।

अमेरिका को ऐसी ही दरियादिली सोमालिया के लिए दिखानी चाहिए। वहां काम-धंधे की कमी है। अर्थव्यवस्था ठीक तरह से नहीं चल रही है, इसलिए कई लोग समुद्री डाकू बन गए। इस काम में भारी जोखिम होता है। अगर समुद्री तूफान या लहरों की चपेट में आ गए तो नौका जाएगी अथाह पानी में और डाकू जाएगा ऊपर! ऐसी ही परिस्थिति तब आ सकती है, जब डाकुओं का सामना किसी शक्तिशाली नौसेना से हो जाए। इसलिए अमेरिकी सरकार को चाहिए कि वह बड़ा दिल दिखाए। इन सब लोगों को तुरंत नागरिकता देने की घोषणा करे। इतनेभर से ही काम नहीं चलने वाला! इन्हें नौकरियां भी दे, अपनी नौसेना में बड़े-बड़े ओहदों पर तैनात कर दे। बस, वह इस बात का ध्यान रखे कि सीएए भारत का आंतरिक मामला है। हमें इसे किस तरह लागू करना है, यह भारतीय संसद तय करेगी। अमेरिका, पाकिस्तान और दुनिया के किसी भी देश को इस पर चिंतित होने की और किसी भी तरह का उपदेश देने की कोई जरूरत नहीं है। आज बहुत लोगों / देशों को सीएए पर तो 'चिंता' हो रही है, लेकिन उन्हें उस वक्त 'चिंता' नहीं होती, जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को सताया जाता है, उनकी बहन-बेटियों का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण किया जाता है। भारत में नवरात्र और अन्य शुभ अवसरों पर कुंवारी कन्याओं के चरण धोए जाते हैं, उन्हें दुर्गा का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया जाता है। उनसे आशीर्वाद लिया जाता है। जब कोई शुभ कार्य करना हो तो उनके हाथों से करवाया जाता है। लोग अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के नाम बेटियों के नाम पर रखते हैं, क्योंकि कन्या को लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। दूसरी ओर, पाकिस्तान में कट्टरपंथ के उन्माद में डूबे लोग मासूम कन्याओं का अपहरण करते हैं, जबरन धर्मांतरण कराते हैं, दुष्कर्म करते हैं ...। यह अक्षम्य पाप है! संसार ये शब्द याद रखे- कन्याओं पर यह अत्याचार एक दिन पाकिस्तान को महाविनाश की ओर लेकर जाएगा। अगर अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने समय रहते सबक नहीं लिया, तो इन देशों का अंजाम भी पाकिस्तान जैसा ही होगा।

ट्वीटर टॉक

आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में शामिल होकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के साथ शामिल होकर आगामी 'लोकसभा चुनाव 2024' व संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

-दीया कुमारी

आज 'मूड ऑफ द नेशन' भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनाने का है। आज 'मूड ऑफ द नेशन' विकसित भारत के निर्माण का है। मैं हेडलाइन पर नहीं, बल्कि डेडलाइन पर काम करने वाला व्यक्ति हूं।

-नरेन्द्र मोदी

रविवार को ओटीएस आवास पर जांगिड़ समाज के प्रतिनिधिमंडल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस सुअवसर पर उन्होंने राम गोपाल सुथार को विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड का नवनियुक्त अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर प्रदेश सरकार का आभार प्रकट किया।

भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

जीने का मंत्र

जीवन के संघर्ष और आंधियों से दुखी एक नाविक जहाज से उतरकर बाहर आया। समुद्र के मध्य अडिग और अविचलित चट्टान की स्वच्छता को देखकर उसको कुछ शांति मिली। वह थोड़ा आगे बढ़ा और एक टेकरी पर खड़ा होकर चारों ओर दृष्टिपात करने लगा। उसने देखा समुद्र की उताल तरंगें चारों ओर से उस चट्टान पर निरंतर आघात कर रही हैं तो भी चट्टान के मन में न रोष है और न विद्वेष। संघर्षपूर्ण जीवन पाकर भी उसे कोई ऊब और उत्तेजना नहीं है। मरने की भी उसने कभी इच्छा नहीं की। यह देखकर नाविक का हृदय श्रद्धा से भर गया। उसने चट्टान से पूछा, 'तुम पर चारों ओर से आघात लग रहे हैं, फिर भी तुम निराश नहीं हो चट्टान!' तब चट्टान की आत्मा धीरे से बोली, 'तात! निराशा और मृत्यु दोनों एक ही वस्तु के उभयपृष्ठ हैं; हम निराश हो गए होते तो एक क्षण ही सही दूर से आए अतिथियों को विश्राम देने, उनका स्वागत करने से वंचित रह जाते।' नाविक का मन एक चमकती हुई प्रेरणा से भर गया। जीवन में कितने भी संघर्ष आएं, अब मैं चट्टान की तरह जीऊंगा ताकि हमारी न सही, भावी पीढ़ी और मानवता के आदर्शों की रक्षा हो सके।

सामयिक

क्यों जरूरी है श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का भारत?

आचार्य विष्णु हरि

मोबाइल : 9315206123

श्यामा प्रसाद मुखर्जी आजाद भारत के महान बलिदानी, देशभक्त और भविष्यद्रष्टा थे। स्वयं का बलिदान कर उन्होंने हमारे भविष्य को सुरक्षित करने, राष्ट्र को सुरक्षित करने के साथ ही साथ विखंडनकारियों और हिंसक संस्कृति के सहचरों को बेनकाब किया था, चुनौती दी थी। उनकी राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा सर्वश्रेष्ठ थी। पाकिस्तान परस्ती, नेहरू की छदम धर्मनिरपेक्षता, शेख अब्दुला की विखंडनकारी नीति और जिहादी समूहों के खिलाफ जागरूकता उत्पन्न करने का पराक्रम भी उन्होंने दिखाया था। आज पूरे देश में राष्ट्र भक्ति की जो आवाज गूंज रही है, आयातित संस्कृति की हिंसक मानसिकता को जो चुनौती मिल रही है उसकी नींव में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रेरणा और बलिदान ही निहीत है। नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रनीति, सुरक्षा नीति के केन्द्र विन्दु भी मुखर्जी की विरासत और बलिदान ही हैं। सिर्फ हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। कम्युनिस्ट राष्ट्र की अवधारणा नहीं मानते हैं, इस्लाम भी राष्ट्र की अवधारणा को स्वीकार नहीं करता है। फिर आप विचार कीजिये कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रेरणा हमारे लिए कितना जरूरी है, कितना अनिवार्य है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रभक्ति और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति उनके बलिदान का सही अर्थो में मूल्यांकन अभी तक नहीं हुआ है। वे सिर्फ एक देश और दो झंडे तथा जम्मू-कश्मीर में प्रवेश के लिए अनुमति पत्र की अनिवार्यता के खिलाफ ही बलिदान नहीं दिया था। उनका बलिदान जिहादी राजनीति से मुक्ति और सनातन की समृद्धि के लिए भी था। जिहादी राजनीति के प्रतीक जवाहर लाल नेहरू थे। नेहरू ने भारत का इस्लामीकरण करने के सभी हथकंडे अपनाये थे। नेहरू कहा करते थे कि मैं गलती से हिन्दू धर्म में पैदा ले लिया, मैं कर्म और चरित्र से मुसलमान हूं, इस्लाम को मैं सर्वश्रेष्ठ धर्म मानता हूं, उनकी इसी मानसिकता से जम्मू-कश्मीर में इस्लाम परस्ती और पाकिस्तान परस्ती कायम हुई थी, नेहरू ने सनातन धर्म को कमजोर करने और नष्ट करने के सभी कोशिशें की थी। सरदार पटेल ने तब कहा था कि अगर मजहब के आधार पर पाकिस्तान बन गया, आबादी के अनुसार मुसलमानों को क्षेत्र-भूमि प्रदान कर दी गयी तो फिर भारत में मुस्लिम आबादी की जरूरत ही क्या है, भारत को मुस्लिम आबादी और मुस्लिम समस्या से मुक्त करना चाहिए पर पटेल की इस अवधारणा को नेहरू ने सफल नहीं होने दिया था।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कश्मीर की जेल में मृत्यु नही हुई थी बल्कि उनकी हत्या हुई थी। उनकी हत्या शेख अब्दुला और नेहरू की सांठगाठ से हुई थी, उन पर अत्याचार हुए थे, उनकी मौत को मृत्यु के रूप में बदलने की पूरी साजिश हुई थी। नेहरू और शेख अब्दुला डरे हुए थे। मुखर्जी जी की राष्ट्रभक्ति के सामने नेहरू और शेख अब्दुला की मुस्लिम परस्ती को चुनौती मिल रही थी, इस कारण इनकी मुस्लिम परस्ती कमजोर पड रही थी और सनातन की जागरूकता बढ रही थी, सनातन का प्रतिनिधि संगठन संघ और जनसंघ का जनाधार बढ रहा था। यही कारण था कि नेहरू और शेख अब्दुला ने मुखर्जी जी की हत्या करायी। पर मुखर्जी जी का बलिदान व्यर्थ नहीं गया। एक देश और दो झंडे और जम्मू-कश्मीर में प्रवेश के लिए अनिवार्य अनुमति की अवधारणा समाप्त हुई, यह मुखर्जी जी के बलिदान की महान जीत थी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना अभी भी अधूरा है। उन्होंने सिर्फ धारा 370 की समाप्ति का ही सपना नहीं देखा था बल्कि जिहाद मुक्त और इस्लाम मुक्त भारत का भी सपना देखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 को समाप्त कर मुखर्जी के एक सपने को तो पूरा कर दिया पर अभी भी हम जिहादी खतरे और जिहादी इस्लाम के खतरे से मुक्त या फिर सुरक्षित नहीं हुए हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के समय तो एक कश्मीर था पर आज कश्मीर जैसी जिहादी स्थितियां पश्चिम बंगाल, असम और केरल आदि प्रदेशों में स्थाई हैं। देश की राजधानी दिल्ली में अनेक क्षेत्र और मुहल्ले हैं जहां से हिन्दुओं को पलायन जारी है, हिन्दुओं के घर विकाउ हैं, का बोर्ड लगा हुआ है। देवभूमि उत्तराखंड की हलद्वानी जैसी घटना चिंता और डर पैदा करती हैं। गजवा-ए-हिन्द का शोर है। देवबंद जैसे संस्थान भारत को गजवा-ए-हिन्द बनाने का

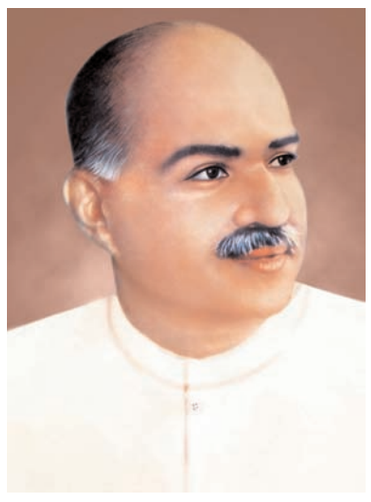

फतवा जारी करता है, फिर भी हम खामोश रहते हैं, गजवा हिन्द बनाने मे लगे हुए देवबंद जैसी संस्थाओं के फंडित सहित अन्य गतिविधियों पर रोक की जरूरत है। तालिबानी हिंसा की दस्तक भी विचारणीय विषय है। क्या नूपुर शर्मा के प्रकरण में तालिबानी हिंसा को अंजाम नहीं दिया गया, कई हिन्दुओं को मौत का घाट नहीं उतारा गया? क्या कमलेश तिवारी जैसी दर्जनों हिन्दू एक्टिविस्टों को तालिबानी संस्कृति के तहत मौत का घाट नहीं उतारा गया? तालिबानी हिंसा की आवाज आप सुन नहीं रहेंगे होंगे पर मेरे जैसे जागरूक लोग जरूर सुन रहे हैं। हिन्दुत्व के लड़ने वालों को आज सीधे मौत का घाट उतार दिया जाता है।

महान विचारक और भगवान श्रीराम आंदोलन को घर-घर तक पहुंचाने वाले अशोक सिंघल को याद करना आवश्यक है, उनकी सोच और वाणी महत्वपूर्ण हैं। अशोक सिंघल जी ने कहा था कि आठ सौ साल बाद भारत पर सनातन का राज कायम हुआ है। इन आठ सौ सालो में श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित लाखों-करोड़ों का बलिदान रहा है, रक्तरंजित इतिहास को हमने भुगता है। अशोक सिंघल ने सच बोली थी पर धर्मनिरपेक्षता के किटाणुओं ने उनकी आलोचना और खिल्ली किस प्रकार से उडायी थी, किस प्रकार से उनकी हिंसक आलोचना की थी, यह भी स्पष्ट है। आठ सौ साल हम गुलाम रहे हैं, इस दौरान गुलामी हम थोपी गयी, धर्मनिरपेक्षता थोपी गयी, हमें अपने ही धर्म से विमुख होने के लिए प्रेरित किया गया, बाध्य किया गया, आयातित संस्कृति को बढावा दिया गया। संवैधानिक तौर पर हमें दोयम दर्जे के नागरिक घोषित किया गया, हम पर प्रतिबंधों का जेल लाद दिया गया पर आयातित संस्कृति के हिंसक लोगों को विशेषाधिकार से युक्त कर दिया गया, जिसका दुष्परिणाम हम दिन-रात झेलते हैं।

सुखद अनुभूति है कि हमारे पास इस खतरनाक युग में नरेन्द्र मोदी जैसा शासक मिला हुआ है। नरेन्द्र मोदी के सामने भी हजार चुनौतियां हैं, हजार बंधनें हैं, ये चुनौतियां और बंधनें संविधान की है, धर्मनिरपेक्षता की है, संयुक्त राष्ट्रसंघ की है, दो देशों की हुई संधियों की हैं, हम संविधान, धर्मनिरपेक्षता, संयुक्त राष्ट्रसंघ और दो देशो के बीच हुई संधियों के मकंडजाल से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। सबसे बडी मार हमारी पेटो पदार्थो की कमी है। जिनके पास पेटो पदार्थ हैं वे सभी आयातित संस्कृति और जिहादी संस्कृति से युक्त देश हैं। अगर नरेन्द्र मोदी जिहादी लोगों को बाहर करने या फिर संवैधानिक तौर पर कुछ गंभीर करने की कोशिश करेंगे तो फिर पेटो पदार्थ युक्त देश पेटो पदार्थ देने से इनकार कर देगे, फिर भारत की सक्रियता मारी जायेगी। इसलिए नरेन्द्र मोदी जिहादी राजनीति और संस्कृति पर धीरे-धीरे पर गंभीर चोट कर रहे हैं। पाकिस्तान को उन्होंने बिना युद्ध के धूल चटायी, चीन को गलवान में ऐसी मार मारी कि सीमा पर अब चीनी सैनिकों की तानाशाही और बलजोरी समाप्त हो गयी।

महान बलिदानी श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का विशाल, अखंड और सनातन भारत बनाने मे हम तभी सफल होंगे जब राष्ट्र की जागरूकता में निरंतर प्रगति होगी। हम पर आठ सौ साल की गुलामी फिर से हावी नहीं हो सके, हम आज की जागरूकता को निरंतन बनायें रखें, नरेन्द्र मोदी पर धीरज के साथ विश्वास रखें और नरेन्द्र मोदी का समर्थन करते रहें। 2024 में हमारी सत्ता कालनेमियों के हाथ में न जायें। अगर हमने यह अवसर खो दिया तो फिर कालनेमी हमारा संहार कर ही दम लेंगे।

मुद्दा

मोदी के चुनावी चक्रव्यूह में फंसा इंडि गठबंधन

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई है। राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों के चयन और नामों की घोषणा शुरू करदी है। चुनावी बिसात बिछने लगी है और एक दूसरे के खिलाफ तीखे आरोप प्रत्यारोप शुरू हो गए है। सियासत के नए समीकरण बन रहे हैं और सभी सियासी दल अपने फायदे को देखकर एक दूसरे से गठबंधन कर अपनी ताकत बढ़ाने में जुटे हैं। भाजपा विरोधी दलों के इंडि गठबंधन के नाम से एक ही जाजम पर बैठने का मंसूबा पूरा नहीं हुआ है। एनडीए अपने करिश्माई नेता नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। लोगों में मोदी की गारंटी का क्रेज देखने को मिल रहा है। मोदी विरोधी दलों में पीएम के नाम पर कोई सर्व सम्मति नहीं बनी है। इंडि गठबंधन के रचियता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर एनडीए के पाले में आ चुके है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी ने बंगाल में कांग्रेस को छिटक दिया है। यूपी में जयंत चौधरी अपनी पार्टी रालोद को इंडिया से निकालकर एनडीए में ले आये है। मायावती की बसपा अकेले चुनावी संघर्ष में कूद गई है, जिसका सीधा नुक्सान इंडि गठबंधन को उठाना होगा। केरल में इंडि के घटक आपस में ही टकरा रहे है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि विपक्षी गठबंधन तीन तेरह की स्थिति में है। मोदी के दौरों में उमड़े भारी जनसमर्थन की झलक खुलकर देखी जा सकती है। वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा लोगों में कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। कांग्रेस और इंडि गठबंधन से पार्टियां और नेता लगातार दूर होते जा रहे है। वहां एनडीए मजबूती से उभर रहा है। ऐसी स्थिति में यह कहना गलत नहीं होगा कि मोदी के चुनावी चक्रव्यूह में इंडि गठबंधन फंस कर रह गया है। वहीं खबरिया चैनलों के सर्वे में मोदी के हैट्रिक लगाने की भविष्यवाणी की गई है।

लोकसभा चुनाव में विपक्ष में पूरी तरह एका नहीं होने के कारण आधे राज्यों में बहुकोणीय चुनावी संघर्ष की सम्भावना बलवती हो गई है। वर्तमान राजनीतिक हालातों को देखते हुए उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल ,हरियाणा, उड़ीसा, पंजाब, तेलंगाना ,तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में जहाँ लोकसभा की 200 से अधिक सीटें है बहुकोणीय मुकाबले के आसार है। वहीं गुजरात, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हिमाचल और राजस्थान में सीधा मुकाबला है। देश के सब से बड़े और 80 सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा के खिलाफ समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने महा गठबंधन बना कर चुनौती दी है। इस महा गठबंधन में बसपा शामिल नहीं है।

सीटों के हिसाब से देश के दूसरे सब से बड़े राज्य महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें है। यहाँ एनडीए और इंडिया गठजोड़ का लगभग सीधा मुकाबला है। तीसरे और चौथे बड़े राज्य आंध्र प्रदेश और प बंगाल में भी विपक्ष महा गठबंधन बनाने में सफल नहीं हुआ है। आंध्र में कांग्रेस, वाईएसआर कांग्रेस और एनडीए ने अलग अलग राह पकड़ी है। इस राज्य में भी बहुकोणीय संघर्ष की सम्भावना है। चौथा बड़ा राज्य प बंगाल है जहाँ भी लोकसभा की 42 सीटें है। यहां ममता की पार्टी का कांग्रेस से गठजोड़ नहीं हुआ है। बंगाल में तृणमूल और भाजपा में सीधा मुकाबला है। यहाँ भी बहुकोणीय संघर्ष होने की सम्भावना है। इसके बाद तमिलनाडु में लोकसभा की 39 और कर्नाटक में 28 सीटें है। तमिलनाडु में द्रमुक शक्तिशाली पार्टी है। कर्नाटक में भाजपा और देवेगौड़ा की पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। यहाँ भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला है। गुजरात, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड और राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस में सीधा मुकाबला है। पिछले चुनाव में गुजरात की सभी 26, हिमाचल की सभी चार, उत्तराखंड की पांचों और राजस्थान की सभी 25 सीटों सहित दिल्ली की सभी सातों सीटें भाजपा को मिली थी। वहीँ मध्य प्रदेश और छतीस गढ़ दोनों राज्यों की लगभग सभी सीटों पर भाजपा ने कब्जा कर लिया था। बिहार में 40 सीटें है। यहाँ एनडीए और इंडिया में सीधा मुकाबला है। पिछले चुनाव में एनडीए ने 39 सीटें जीत कर विरोधियों को धूल चटा दी थी। पूर्वोत्तर सहित देश के अन्य राज्यों यथा उड़ीसा, पंजाब, केरल, तेलंगाना आदि में कहीं सीधा तो कहीं बहुकोणीय मुकाबला है। पिछले दो लोकसभा चुनाव में भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 30 साल का रेकॉर्ड तोड़ते हुए अपने दम पर बहुमत हासिल कर लिया था। इस बार मोदी ने 400 पार का नारा दिया है।

नजरिया

महाशक्तियों में टकराव का परिणाम युद्ध

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

अमेरिका, रूस और चीन के आपसी हितों के टकराव ने ही रूस यूक्रेन और इजरायल पीलिस्तीनी युद्ध की ज्वाला भड़काई है, पिछले एक साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध में अब तक कुछ भी निर्णायक बातचीत अथवा हल नहीं निकाला जा सका है। दूसरी तरफ इजराइल फिलिस्तीन युद्ध भी मानवता के लिए एक बड़ा कहर बनकर पूरे विश्व के सामने के खड़ा हुआ है। अमेरिका रूस और चीन की आपसी टकराहट न जाने किस मोड़ पर इन दोनों युद्धों को परमाणु युद्ध में बदलने के अंजाम की ओर ले जा ले। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियार उठाने की योजना बनाई थी किंतु भारत के प्रधानमंत्री की मध्यस्थता के कारण यह अनहोनी टल गई। यही स्थिति कमोबेश इजराइल फिलिस्तीन युद्ध में भी बनी हुई है कुल मिलाकर इन चारों देशों के निर्दोष नागरिक इनका शिकार हो रहे हैं। लाखों लोग बेघर हो गए हैं हजारों लोगों की मौत हो गई है।

अमेरिका ने चीन और ताइवान के संबंधों को लेकर ताइवान का खुलकर साथ देने की बात कही जिससे चीन ने आक्रामक होकर इसे अपने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप कहां है और कहा है कि यदि हमारे अंदरूनी मामले में कोई हस्तक्षेप करेगा तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरी तरफ यूक्रेन को लेकर रूस अब बहुत संवेदनशील और आक्रामक हो गया है। यूक्रेन से रूस ने अब निर्णायक पारी खेलने का मन बना लिया है। इस तरह अमेरिका यूक्रेन तथा ताइवान को साथ देने के चक्कर में रूस और चीन से सीधा-सीधा टकराने के मूड में आ गया है। यह अलग मुद्दा है की सांडों की लड़ाई में खेतों की मेढ़ बरबाद जरूर होती हैं। इन तीनों महा बलियों की लड़ाई में अन्य पड़ोसी देशों की शांति भंग हो सकती है। दूसरी तरफ अमेरिकी प्रशासन पूरी तरह से यूक्रेन का साथ देने की कटिबद्ध है, एवं पूर्वी यूरोप में अमेरिकी राष्ट्रपति एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रूस पर दबाव डालने के लिए सैन्य बल भेजने की बात कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस वार्ता के हवाले अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस ने सीमा के आसपास बड़ी संख्या में सैन्य जमवाड़ा कर चुका है, एवं रूसी बलों को तैनात किया है। जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास अन्य सैन्य बल तथा बातचीत के जरिए का विकल्प भी मौजूद है। वर्तमान की परिस्थितियों में यूक्रेन की सीमा पर लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा कि रूस फरवरी या मार्च के प्रथम सप्ताह तक बड़ा हमला कर सकता है।

व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता एमिली होर्न ने बताया की अमेरिकी राष्ट्रपति ने आशंका जताई है कि रूस फरवरी में यूक्रेन पर सैन्य आक्रमण कर सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लाएड ऑस्टिन ने कहा कि हमारा मानना है कि यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यह अंतिम फैसला नहीं है, जबकि उनके पास कई विकल्प खुले हुए हैं। यूक्रेन पर हमला करने की निसंदेह रूस के पास संपूर्ण क्षमताएं हैं। अमरीकी प्रशासन राष्ट्रपति रक्षा मंत्री ने पुतिन से यूक्रेन पर तनाव कम करने की अपील भी की है। रूस ने कहा है कि वार्ता के द्वारा भी खुले हुए यदि यूक्रेन अपनी हठधर्मिता से पीछे हटता है तो रूस वार्ता के माध्यम से एक मध्य मार्ग के बारे में विचार कर सकता है। पर यूक्रेन अपनी तीनों शर्तों पर अड़ा हुआ वह क्रीमिया महाद्वीप को वापस लेना चाहता है और नाटो की सदस्यता भी चाहता है, रूस द्वारा पाइप लाइन बिछाकर उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर करना चाहता हैं जिसे वह कभी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं रहेगा। स्पष्ट है कि इस मामले में अमेरिका,ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देश यूक्रेन के साथ साथ कंधे से कंधा मिलाकर सैन्य बल की मदद करने को तैयार है। रूस के पास अब सैन्य बलों द्वारा यूक्रेन पर चढ़ाई करने के अलावा कोई मार्ग शेष नहीं रह जाता है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति की यह आशंका कि रूस यूक्रेन पर फरवरी एवं मार्च के प्रथम सप्ताह में बड़ा हमला कर सकता है निर्मूल नहीं है। अमेरिका ने निर्णय लिया है कि वह पूर्वी यूरोप के सीमा पर एक बड़ा सैन्य बल रूस को टक्कर देने के लिए भेजेगा। संभवत यह रूस पर दबाव डालने के लिए एक कूटनीतिक घोषणा एवं चाल हो सकती है।

कुल मिलाकर यूक्रेन की सीमा पर जिस तरह से सैनिकों का जमवाड़ा इकट्ठा हो गया है, उससे जंग की आशंकाएं बढ़ गई हैं। अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के आर्मी जनरल मार्क मिले ने यूक्रेन के निकट तैनात रूसी सेना गंभीर तस्वीर पेश की है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन की सीमा पर उसने जमीन, वायु, जल क्षेत्र में बलों की तैनाती कर दी है, साथ ही रूस के पास साइबर तथा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की क्षमताएं भी हैं। इसके अलावा उसके पास विशेष अभियान दल भी हैं। मिले के अनुसार यह अत्यंत चिंताजनक एवं विचारणीय प्रश्न है कि इसके पूर्व रूस की इतनी लंबी चौड़ी सेना की तैनाती कभी भी यूक्रेन की सीमा पर नहीं देखी गई है। इसका मतलब सीधा और साफ है कि रूस युद्ध के प्रति एकदम गंभीर है एवं यूक्रेन को सबक सिखाना चाहता है। पर इसे वैज्ञानिक विश्लेषक अधिनायकवाद इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाला बताते हैं, जिससे विश्व युद्ध की आशंका को बढ़ावा मिल सकता है, और विश्व युद्ध होता है तो बहुत बड़ा विनाशकारी युद्ध होने की पूरी संभावना है। मिले ने पुतिन से संघर्ष के बदले कूटनीतिक मार्ग अपनाने की अपील की है।

उल्लेखनीय है कि रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास एक लाख से ज्यादा सैनिक तथा जमीन से जमीन मारक क्षमता वाले टैंक तथा लड़ाकू हवाई जहाज तैनात करके रखे हैं। ऐसे में यूक्रेन जैसे छोटे देश के पास अमेरिका ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देश और नाटो देश के सदस्यों से सैन्य दल लेने के अलावा कोई और रास्ता शेष नहीं बचा है। यह तो तय है कि अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के लिए कटिबद्ध है पर बदली हुई परिस्थितियों में यूक्रेन का साथ देने के लिए कहीं अमेरिका अलग-अलग ना पड़ जाए, इसके अलावा उसने चीन को इस मामले में दखल नहीं देने चेतावनी भी दी है। फिलहाल चीन ताइवान मामले में अमेरिका के सीधा सामने है। क्योंकि अमेरिका ताइवान को भी मदद करने का वादा कर चुका है, ऐसे में अमेरिका को कई तरफ अपनी सेनाएं भेजने का काम करना होगा। कुल मिलाकर यूक्रेन, रूस,चीन, ताइवान को लेकर वैश्विक स्तर पर अशांति का माहौल बना हुआ है। कूटनीतिक बातचीत कर इसका हल निकाल कर वैश्विक शांति का संदेश देना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

शामिल

नई दिल्ली में रविवार को पूर्व कांग्रेस नेता राजेंद्र सिंह भंडारी में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए।

'मोदी-फोबिया' के कारण एकजुट हुए हैं विपक्षी दल : दिनेश शर्मा

लखनऊ/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा ने रविवार को दावा किया कि विपक्षी दल 'मोदी फोबिया' (मोदी भय) के कारण एकजुट हुए हैं और लोकसभा चुनाव के लिए एकता का दिखावा कर रहे यह दल तीन महीने बाद एक-दूसरे से झगड़ना शुरू कर देंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में यह भी दावा किया कि, चुनाव में उनके (विपक्षी दल) बढ़े हुए अहंकार और खराब प्रदर्शन के कारण वे अपने बीच से (लोकसभा में) विपक्ष का एक नेता भी नहीं चुन पाएंगे।

उन्होंने कहा, मोदी फोबिया के कारण वे (विपक्षी दल) एक साथ आने के लिए मजबूर हुए हैं। जो पार्टियां अब एक साथ आ रही हैं, वे तीन महीने बाद आपस में ही लड़ती नजर आएंगी। चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी। यह चुनाव सात चरणों में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और एक जून को होंगे। मतगणना चार जून को होगी। शर्मा ने दावा किया कि इस बार विपक्षी दल कहीं भी चुनावी परिदृश्य में नहीं हैं। यहां तक कि दक्षिणी राज्य भी इस चुनाव में विपक्षी दलों के पतन और भाजपा के उदय का गवाह बनेंगे।

उन्होंने कहा, एक-दूसरे को गाली देने वाले अवसरवादी विपक्षी दल अपना अस्तित्व बचाने के लिए आपस में बेमेल गठबंधन बना रहे हैं। जो लोग एक-दूसरे को जेल भेजने की बात करते थे, वे आज एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन बनाया है।

हाल ही में कुछ दक्षिणी राज्यों का दौरा कर चुके भाजपा राज्यसभा सदस्य ने कहा, लोकसभा चुनाव के लिए कुछ विपक्षी दल एक साथ आए हैं लेकिन अपने नेताओं के अहंकार के कारण वे अपने बीच से विपक्ष के नेता का चयन नहीं कर पाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा और उसके सहयोगी लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतेंगे। शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तुलना जर्मनी के तानाशाह रहे एडॉल्फ हिटलर से करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। शर्मा ने सपा संस्थापक और उत्तर प्रदेश के दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के स्पष्ट संदर्भ में कहा, असली हिटलर वह था जिसने अयोध्या में कारसेवकों पर गोलियां चलाईं और जिनके समय में (अयोध्या में) राम मंदिर के बारे में बात करने वाले लोगों को जेल में डाल दिया गया था।

पाकिस्तान के आम चुनाव में जनादेश चुराने वालों के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही शुरू करें : इमरान खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने फरवरी में हुए आम चुनाव में कथित तौर पर जनादेश चुराने वाले अधिकारियों के खिलाफ देशद्रोह की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। खान की यह टिप्पणी तब आई जब उन्होंने शनिवार को अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात की। इस मामले में इमरान के अलावा उनकी पत्नी बुशरा बीबी, सहयोगी फराह गोगी और दिग्गज कारोबारी मलिक रियाज भी शामिल है। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में धांधली के आरोप लगे थे। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ द्वारा समर्थित 90 से अधिक स्वतंत्र उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली में अधिकतम सीट जीती थीं, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने चुनाव के बाद समझौता किया और देश में गठबंधन की सरकार बनाई। पीटीआई का कहना है कि नई सरकार जनादेश चुराकर बनाई गई है। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, खान ने शनिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी को तीन करोड़ से अधिक वोट मिले, जबकि बाकी 17 राजनीतिक दलों को संयुक्त रूप से इतने ही वोट मिले। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने चुनाव में अनियमितताओं को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने उठाया और गैर-सरकारी संगठनों ने भी चुनावी प्रक्रिया में खामियां बताईं। खान ने कहा, पहले पीटीआई को एक साजिश के तहत उसके चुनाव चिह्न बल्ला से वंचित किया गया और फिर उसे आरक्षित सीट में उसके हिस्से से वंचित कर दिया गया।

'मैं लौटूंगा' वाली पंक्ति के लिए मेरा मजाक उड़ाया गया, पर दो दलों को विभाजित कर लौट आया : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव

के प्रचार अभियान में जब उन्होंने कहा था कि मैं लौटूंगा तो उनका मजाक उड़ाया गया था, लेकिन वह दो दलों को विभाजित कर सत्ता में लौट आए। उन्होंने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना और शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा के विभाजन की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद जून 2022 में शिवसेना विभाजित हो गई थी जबकि पिछले साल अजित पवार के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलने के बाद राकांपा दो धड़ों में बंट गई थी। फडणवीस ने यहां एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर कहा, मैं न केवल वापस आया, बल्कि दो पार्टियों को विभाजित करके लौटा। सत्ता में वापस आने में ढाई साल लग गए। मैंने 2019 के विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के दौरान एक कविता पढ़ी थी लेकिन इसकी केवल एक पंक्ति ही लोकप्रिय हुई। उन्होंने कहा, भाजपा ने बड़ी संख्या में सीट जीतीं और (2019 विधानसभा चुनाव के बाद) शिवसेना के साथ सरकार बना सकती थी।

स्विट्जरलैंड की कई कंपनियां भारत में निवेश की इच्छुक: स्विस मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। चॉकलेट बनाने वाली कंपनी बैरी कैलेबाउट समूह और प्रौद्योगिकी कंपनी बुहलर सहित स्विटजरलैंड की कई कंपनियां भारत में निवेश करने की इच्छुक हैं। स्विटजरलैंड की आर्थिक मामलों की मंत्री हेलेन बडलिगर ने यह बात कही। बडलिगर ने कहा कि एचईएसएस ग्रीन मोबिलिटी का इरादा 2025 तक भारत में लगभग 3,000 इलेक्ट्रिक बसों का विनिर्माण करने का है। इसके लिए अगले छह से आठ वर्षों में 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जाएगा। उन्होंने एक ईमेल साक्षात्कार में बताया कि चॉकलेट निर्माता बैरी कैलेबाउट ग्रुप 2024 तक भारत में अपनी तीसरी विनिर्माण इकाई चालू करने के लिए तैयार है। इसके साथ पिछले करीब पांच वर्षों में कंपनी का भारत में निवेश पांच करोड़ डॉलर से अधिक हो जाएगा। इसी तरह प्रौद्योगिकी समूह बुहलर अगले दो से तीन साल में 2.3 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त निवेश करेगा। उन्होंने कहा, हमें भारत में निवेश करने की इच्छुक कई स्विस कंपनियों के बारे में पता है। इनकी सूची बहुत लंबी है, लेकिन उनमें से कुछ के नाम साझा करने की खुशी है... कई छोटी स्विस कंपनियां हैं, जो भारतीय बाजार में आना चाहती हैं। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए ने 10 मार्च को एक व्यापार समझौते – व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इन देशों में आइसलैंड, लीशटेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड शामिल हैं। इस समझौते में भारत को समूह के सदस्य देशों से 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है। स्विटजरलैंड ने कहा है कि टीईपीए के लिए संसदीय अनुमोदन की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाएगी। भारत और ईएफटीए आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए जनवरी, 2008 से आधिकारिक तौर पर टीईपीए पर बातचीत कर रहे थे।

मनोरंजन करने के साथ ही लोगों को प्रेरित भी करती है 'जहांकिला' : कपिल देव

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी कपिल देव का कहना है कि फिल्म जहांकिला मनोरंजन करने के साथ ही लोगों को प्रेरित भी करती है । पंजाब के गांवों की पृष्ठभूमि पर आधारित बलिदान, प्रेम, दोस्ती और देशभक्ति की एक दिलचस्प कहानी जहानकिला के प्रीव्यू के अवसर पर क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और इरफान पठान मौजूद थे। इस अवसर पर कपिल देव ने कहा, मैं 'जहांकिला' के पीछे प्रतिभाशाली युवा टीम का समर्थन करने के लिए बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। कहानी कहने के प्रति उनका समर्पण और पंजाब की वीरतापूर्ण भावना का उनका चित्रण वास्तव में मेरे साथ जुड़ा हुआ है। मेरा मानना है कि यह फिल्म न केवल मनोरंजन करती है बल्कि प्रेरित भी करती है, और मुझे इस तरह के सार्थक प्रोजेक्ट को अपना समर्थन देने पर गर्व है। विक्की कदम द्वारा निर्देशित फिल्म जहांकिला एक साधारण पृष्ठभूमि के युवक शिंदा की यात्रा का वर्णन करती है, जो पारिवारिक बलिदानों से प्रेरित होकर पुलिस बल में शामिल होता है।

दक्षिणी अफगानिस्तान में सड़क हादसे में 21 की मौत

इस्लामाबाद। दक्षिणी अफगानिस्तान में एक सड़क दुर्घटना में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय यातायात विभाग की तरफ से यह जानकारी दी गई। हेलमंद में विभाग की ओर से एक बयान में कहा गया है कि दुर्घटना रविवार सुबह दक्षिणी कंधार और पश्चिमी हेरात प्रांतों के बीच मुख्य राजमार्ग पर हेलमंद प्रांत के गेराश्क जिले में हुई। हेलमंद में एक यातायात अधिकारी कादरतुल्ला ने कहा कि एक मोटरसाइकिल सवार अपने वाहन समेत एक यात्री बस से टकरा गया। इसके बाद बस सड़क के विपरीत दिशा में एक ईंधन टैंकर से टकरा गई। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की जांच चल रही है।

शोभा यात्रा

पटना के श्याम मंदिर द्वारा रविवार को आयोजित खाटू श्याम जी की फागुन शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

मधुबाला के लुक को पर्दे पर दोबारा जीवंत करेंगी शहनाज गिल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल ने बताया कि वह क्यों बीते जमाने की मशहूर एक्ट्रेस मधुबाला के लुक को एक बार फिर पर्दे पर जीवंत करना चाहती हैं। एफडीसीआई के साथ भागीदारी में लैक्मे फैशन वीक के मौके पर शहनाज ने आईएएनएस को बताया कि 'मुझे बीते जमाने की एक्ट्रेसेस बहुत पसंद हैं। वह बहुत आकर्षक थीं और उनकी सुंदरता बेहद नैसर्गिक थी।

मधुबाला को दोबारा पर्दे पर जीवंत करना बेस्ट है। शहनाज ने रियल लाइफ में फैशन को लेकर भी बात की। असल जिंदगी में आउटफिट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं घर पर बहुत कैजुअल रहती हूं। आप आमतौर पर मुझे शॉर्ट्स और मेरे भाई की टी-शर्ट में पाएंगे। मैं घर पर एक आम लड़की हूं। शहनाज ने कहा कि हर दिन एक नया एक्सपीरियंस है। मैं लाइफ में सब कुछ आजमाना और सब कुछ एक्सपीरियंस करना चाहती हूं।

मैं ऐसी नहीं हूं कि मुझे कोई खास लुक चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मैं हॉट दिखना चाहती हूं और मैं एक्सपेरिमेंटल हूं। मुझे कुछ भी पहनाओ और मैं इसे बहुत अच्छे से कैरी करूंगीं।

'क्रू' पुरुषों की आलोचना वाली नहीं, कॉमेडी फिल्म है : कृति सैनन

मुंबई/वार्ता

फिल्म 'क्रू' रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म में करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सैनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री कृति ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म किसी मुद्दे या पुरुषों की आलोचना नहीं करती, बल्कि दर्शक देखेंगे कि महिलाएं 'बहुत अच्छी' कॉमेडी कर सकती हैं। फिल्म 'क्रू' का ट्रेलर शनिवार को लॉन्च किया गया। ट्रेलर में कॉमेडी की झलक देखने को मिलती है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। तीनों एयर होस्टेस (करीना, तब्बू और कृति सैनन) एक डकैती को अंजाम देने के लिए रोमांचक यात्रा पर निकलती हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान कृति ने कहा कि मुझे लगता है कि हमें ज्यादातर पुरुषों के साथ काम करने का मौका मिलता है। वास्तव में महिलाओं के साथ काम करना बहुत ताजगी भरा एहसास था। तब्बू और करीना कपूर के साथ काम करने का बहुत ही शानदार एक्सपीरियंस रहा है। कृति सैनन ने आगे कहा कि मुझे लगता है, जब भी महिलाओं या लड़कियों वाली कोई फिल्म रिलीज होती है, तो हर कोई सोचता है कि यह बहुत गंभीर है या कोई मुद्दा होगा या पुरुषों की आलोचना होगी, वगैरह-वगैरह। इसलिए, इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है। आप देख सकते हैं कि महिलाएं बहुत अच्छी कॉमेडी कर सकती हैं। मैं सचमुच उम्मीद करती हूं कि आप सभी को यह पसंद आएगी। फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा की भी विशेष भूमिका है। बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशंस नेटवर्क द्वारा समर्थित, 'क्रू' का निर्देशन राजेश ए. कृष्णन ने किया है। यह फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

धनश्री चहल ने लगाई ट्रोल्स को फटकार, कोरियोग्राफर के साथ फोटो हुई थी वायरल

मुंबई/वार्ता

टीम इंडिया के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा को पिछले दिनों डांसिंग रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' में देखा गया था। इस शो में चहल भी धनश्री को सपोर्ट करने आए थे। धनश्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह कई बार ट्रोलिंग की शिकार भी हो जाती हैं। हाल ही में कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर के साथ धनश्री की फोटो वायरल हुई थी। इसमें दोनों एक-दूसरे की बांहों में थे। इस फोटो को लेकर धनश्री ट्रोल हुई थीं। अब धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। धनश्री ने कहा, पहले पूछिए और फिर इंसान बनिए। कोई भी फैसला या राय सुनाना बहुत आसान है। मैं अपनी जिंदगी में कभी भी ट्रोल या मीम्स से प्रभावित नहीं हुई हूं...क्योंकि हाल ही में जब यह ट्रोल हुआ था, तब तक इसे नजरअंदाज करने या इस पर जोर से हंसने की मेरे अंदर मैच्योरिटी है।

लेकिन इस बार की ट्रोलिंग ने मुझे इफेक्ट किया...इसका कारण है, क्योंकि इस ट्रोलिंग से मेरे परिवार और करीबियों पर असर हुआ, वो टूट जाते हैं...ये सब सुनकर। आप सबसे गुजारिश करती हूं कि आप लोग प्यार फैलाएं नफरत नहीं। सोशल मीडिया मेरे काम का एक बड़ा हिस्सा है और मैं इसे छोड़ नहीं सकती हूं। बस आप लोगों से गुजारिश है कि थोड़ा और संवेदनशील बनें और अपनी प्रतिभा पर ध्यान लगाएं। तो बस यह मत भूलो कि मैं भी सिर्फ एक औरत हूं, बिल्कुल आपकी मां, आपकी बहन, आपकी दोस्त, आपकी पत्नी की तरह। और ऐसा नहीं किया जाता है।

फिल्म 'शूरवीर' के सेकंड शेड्यूल की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की भोजपुरी फिल्म 'शूरवीर' के सेकंड शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म शूरवीर के दूसरे शेडयूल की शूटिंग लखनऊ में शुरू हुई है। फ़िल्म 'शूरवीर' में प्रदीप पांडेय चिंटू एक ऐसे योद्धा शूरवीर का किरदार निभाने रहे हैं जिसने ज़िन्दगी के हर उतार चढ़ाव को बेहद संज़ीदगी से जिया है और हर मुश्किलों का सामना भी डटकर किया है।शूरवीर के किरदार को निभाने के लिए प्रदीप पाण्डेय चिंटू ने अपनी शारीरिक फिटनेस को भी काफी इम्प्रूव किया है और शूरवीर के जैसा दिखने के लिए अपनी बॉडी पर अच्छा खासा मेहनत किया है।

शिवराम फ़िल्म एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही भोजपुरी फिल्म 'शूरवीर' के निर्माता शिवराम हैं , वहीं फ़िल्म के लेखक एवं निर्देशक आर. के. शुक्ला हैं। सह निर्माता राकेश देवा पांडेय हैं। फिल्म 'शूरवीर' के कार्यकारी निर्माता शेखर यादव है। फिल्म 'शूरवीर' का छायांकन विजय आर. पांडेय कर रहे हैं,वही संगीत मधुकर आनंद और सावन कुमार ने तैयार किया है। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और मनोज गुप्ता हैं। फ़िल्म 'शूरवीर' के एक्शन मास्टर हीरा यादव और मल्लेश हैं ।

मुख्य सहायक निर्देशक मिलन मन्जोषी, सावन वर्मा ,विकास ,पांडे,राजा ठाकुर और राहुल पांडेय है। फ़िल्म 'शूरवीर' में प्रदीप पांडेय चिंटू, यामिनी सिंह ,संजय पांडे, एहसान खान, अमित तिवारी ,अयाज खान,परी सिंघानिया ,राकेश देवा पांडेय,अनूप लोटा तिवारी, नीलम पांडेय, रमेश विश्वकर्मा, पप्पू यादव, साहब लालधारी ,अजय ,शिव बालक वर्मा, शुभम साहू और स्वर्गीय बृजेश त्रिपाठी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 18-03-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

फाल्गुन माह में खाटू श्याम मंदिर में लक्खी मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें रोजाना पूरे देश विदेश से हजारों श्रद्धालु मंदिर में निशन अर्पण कर रहे हैं। उसी श्रृंखला में शहर में भी बेंगलूरु में भी रोजाना बड़ी संख्या में निशान अर्पण किए जा रहे है।

रथयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नेलमंगला तालुक के प्रसिद्ध श्री वनकल्लू मल्लेश्वर महासंस्थान सुक्षेत्र मठ में वनकल्लू मल्लेवर यात्रा का 50वां वार्षिक महोत्सव आयोजित किया गया। इस मौकेप र मठ के स्वामीजी डॉ. बसवरामानंद महास्वामीजी के नेतृत्व में यात्रा का सफल आयोजन किया गया। यात्रा के समापन के मौके पर रथ स्ट्रीट के रथोत्सव में विजयनगर मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुणोत अतिथि के रुप में उपस्थित थे। मुणोत ने विशेष पूजा की। इस मौके पर वनकल्लू मठ के स्वामीजी के साथ-साथ विभिन्न मठों के स्वामीजी भी मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव

धन-बल का दुरूपयोग रोकने के लिए उड़न दस्ते हुए सक्रिय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद रविवार को तमिलनाडु में 900 से अधिक उड़न दस्तों का गठन किया गया, जो चुनाव में धन-बल के दुरूपयोग और मतदाताओं को लुभाने के लिए रिश्वत देने के प्रयासों को रोकने की कार्रवाई में जुट गये हैं। पहले चरण में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए राज्य में आदर्श आचार संहिता शनिवार को तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी, लिहाजा रविवार सुबह से ही राज्य भर में सभी 39 लोक सभा क्षेत्रों में गहन जांच शुरू कर दी गयी। वाहनों की जांच तेज कर दी गयी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि मतदाताओं को वितरित करने के लिए अवैध रूप से पैसे तो नहीं ले जाये जा रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यव्रत साहू ने बताया कि बिना उचित दस्तावेजों के पैसे ले जाने वालों और मतदाताओं को रिश्वत देने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि 50,000 रुपये से अधिक नकदी ले जाने वाले सभी लोगों के पास वैध दस्तावेज होने चाहिए, अन्यथा उड़न दस्ते के अधिकारी पैसे जब्त कर लेंगे।

चुनाव आयोग के मुताबिक, तमिलनाडु में 6.19 करोड़ मतदाता है, जिनमें 3.15 करोड़ महिलाएं, 3.05 करोड़ पुरुष और 8,294 अन्य शामिल हैं। 18-19 वर्ष के आयु वर्ग में पहली बार मतदान करने वाले 9.18 लाख मतदाता हैं और 20-29 आयु वर्ग में 1.08 करोड़ मतदाता है। मतदाताओं में 4.33 लाख शारीरिक रूप से अक्षम, 14.66 लाख अति वरिष्ठ नागरिक और 8,765 बुजुर्ग 100 वर्ष से अधिक आयु के हैं। तमिलनाडु के 39 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 68,144 मतदान केंद्र होंगे, जिनमें से 40,838 ग्रामीण बूथ और 27,306 शहरी बूथ होंगे। राजधानी चेन्नई में, 3,719 बूथ होंगे, जिनमें से 579 को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। मतदान की तारीख नजदीक आने पर स्थिति के आधार पर अधिक संवेदनशील बूथों की पहचान की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी और ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) आयुक्त डॉ. जे. राधाकृष्णन ने बताया कि निर्वाचन अधिकारियों ने अब तक 579 संवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान की है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी भी महत्वपूर्ण मतदान केंद्र की पहचान नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि अधिक संवेदनशील और महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों की पहचान करने के लिए आने वाले सप्ताहों में निर्वाचन आयोग और पुलिस अधिकारियों के साथ एक संयुक्त अभ्यास किया जाएगा।

डॉ. राधाकृष्णन ने बताया कि शहर में 14 चेक नाका, 192 उड़न दस्ते, 192 कैमरा और 32 वीडियो निगरानी टीमें और वीडियो पर नजर रखने वाली 32 टीमें तैनात की जाएंगी। टीमों को 360 डिग्री लाइव फीड कैमरों वाले वाहनों से लैस किया जायेगा तथा संचालन और शिकायतों को एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र के माध्यम से नियंत्रित किया जाएगा। आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से नागरिक निकाय ने सभी सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों और निजी परिसरों से राजनीतिक बैनर, पेंटिंग, कट-आउट, होर्डिंग्स, ध्वज, नोटिस, नारे आदि को हटाने के लिए कदम उठाये हैं।

पोरवाल बने जैन हेल्पलाइन के नए अध्यक्ष, भंडारी फिर बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन हेल्पलाइन सोशियल ऑर्गेनाइजेशन अक्कीपेट की साधारण सभा किल्लारी रोड कार्यालय पर आयोजित की गई। अध्यक्ष ललित कोचर ने सभी का स्वागत किया।महामंत्री जीतेन्द्रकुमार भंडारी ने दो वर्ष के कार्यो का विस्तार से जानकारी दी। कोषाध्यक्ष राजीव जैन ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। अध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी समिति के गठन करने की बात रखी। पूर्व अध्यक्ष पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, पदम लुंकड़, संतोष चौहान, हस्तीमल जैन ने अपने अपने विचार रखे।

सभी से चर्चा कर सर्वसहमति से संस्थापक अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने नितिन पोरवाल को अध्यक्ष, जीतेंद्र भंडारी को पुनः महामंत्री, दिनेश चोपड़ा को उपाध्यक्ष, राजीव जैन को पुनः कोषाध्यक्ष, प्रवीण सालेचा को सहमंत्री, मनीष जैन को कैप्टन पद की घोषणा की गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सभी का आभार प्रकट किया। सभी का धन्यवाद ज्ञापन उत्तम मेहता ने दिया।

फाल्गुन मेले के उपलक्ष्य में श्याम भक्तों ने श्याम मंदिर में अर्पण किए निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फाल्गुन माह में खाटू श्याम मंदिर में लक्खी मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें रोजाना पूरे देश विदेश से हजारों श्रद्धालु मंदिर में निशन अर्पण कर रहे हैं। उसी श्रृंखला में शहर में भी बेंगलूरु में भी रोजाना बड़ी संख्या में निशान अर्पण किए जा रहे है। रविवार को महिलाओं द्वारा श्याम निशान यात्रा का आयोजन किया गया। रामसिसरिया गौशाला से श्याम मंदिर बन्नरघट्टा श्याम मंदिर तक पैदल यात्रा निकाली गई तथा 275 श्याम भक्तों ने मंदिर में निशान चढ़ाए। गौशाला में सबसे पहले मीरा अग्रवाल, सुमन पूर्वा, बबिता बगड़िया, वंदना जालान आदि ने निशान पूजा की तथा भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर गौशाला के चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया,रामसुन्दर बगड़िया, विमल सुरोलिया, सुशील सैनी आदि उपस्थित थे। श्याम मंदिर कमेटी के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झंवर सभी श्याम भक्तों के प्रति आभार जताया।

रियायती डायबिटिक जांच शिविर में 111 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी की द्वितीय वार्षिक पुण्यतिथि पर रियायती दर पर डायबिटिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जांच शिविर के अंतर्गत फास्टिंग ब्लड शुगर, पोस्ट प्रैंडियल ब्लड शुगर, तीन महीने की ओसत ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल- कोलेस्ट्रॉल, सिरम क्रिएटनीन, इलेक्ट्रो कॉर्डियोग्राम जांच सम्मिलित किये गये। इस शिविर से 111 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप से जयंतीलाल गांधी, ललित मुणोत, मोहन चौरडिया, अभिषेक पीपाड़ा एवं हरीश पोरवाड़ ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

विजयनगर जैन संघ के सदस्यों ने साध्वीश्री सुधाकंवर से किया चातुर्मास निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ विजयनगर के वरिष्ठ श्रावकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर के नेतृत्व में तमिलनाडु के इरोड शहर में होली चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी, विजयप्रभाजी, साधनाश्री,रत्नज्योति व सुयशाश्रीजी के दर्शन कर उनसे आगामी चातुर्मास का निवेदन किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने बताया कि साध्वीश्री ने निवेदन को स्वीकार करते हुए उचित समय पर शुभ समाचार देने के संकेत दिए। वरिष्ठ श्रावक पूर्व अध्यक्ष वसंतकुमार रांका, पुखराज मेहता, निवर्तमान अध्यक्ष राजेंद्रकुमार कोठरी, उपाध्यक्ष राजेंद्रकुमार बोहरा, चेनराज छाजेड़, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद्र खाब्या,रतनलाल बोहरा, सहमंत्री सुनीलकुमार लोढ़ा ने चातुर्मास हेतु निवेदन किया। सुनील लोढ़ा ने होली चातुर्मास पर 24 मार्च को विजयनगर के श्रावक श्राविकाओं का एक संघ ले जाने हेतु जिम्मेदारी ली।

भंडारी भाईपा का स्नेह मिलन सह रजत जयंती महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भंडारी भाईपा का स्नेह मिलन सह रजत जयंती महोत्सव पैलेस ग्राउंड सभागार में हुआ। अध्यक्ष चेतनराज भंडारी ने सभी का स्वागत किया तथा सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री महेन्द्र भंडारी ने वरिष्ठ सदस्यों को याद करते हुए सभी बहन बेटी परिवार का स्वागत किया। पारसमल भंडारी ने धाम व ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर आशापुरा धाम के 12 महीने के अष्ट प्रकारी पूजा के चढ़ावे सम्पन्न हुए। लाभार्थी सुआबाई लालचन्द भंडारी व चेतनराज गोपीचन्द भंडारी परिवार ने सम्मान किया। स्नेह मिलन रजत जयंती महोत्सव के मुख्य लाभार्थी भवरीदेवी प्रेमराज भंडारी एवं नवकारसी के लाभार्थी बादामीबाई खींवराज भंडारी परिवार रहे। इस मौके पर विभिन्नभंडारी परिवारों द्वारा पिछले वर्ष मे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यो में योगदान देने वाले परिवारों को भंडारी भामाशाह एवं रत्नमणि सम्मान से सम्मानित किया।

इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में वर्ष 2024-26 हेतु मदनलाल भंडारी को अध्यक्ष, सुरेश भंडारी व धर्मीचंद भंडारी को उपाध्यक्ष, राजेश भंडारी ने सचिव, प्रवीणकुमार व जयंतीलाल भंडारी को सहसचिव, निर्मलकुमार भंडारी को कोषाध्यक्ष एवं वीरेंद्र भंडारी को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा 23 सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया है ।

नवम् ध्वजारोहण के मौके पर दो दिवसीय कन्याकुमारी यात्रा संघ आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के तत्वावधान में दो दिवसीय कन्याकुमारी यात्रा संघ का आयोजन संघवी शान्तिदेवी पुखराज तेजराज गुलेच्छा परिवार के सौजन्य से किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी यात्रियों का स्वागत किया और सभी ने कन्याकुमारी के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि कन्याकुमारी स्थित महावीर स्वामी जिनालय एवं दादावाड़ी की सोमवार को नवमी ध्वजारोहण निमित्त इस यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा संघ में मंडल के सदस्यों के साथ खरतरगच्छ महिला परिषद की अध्यक्ष आरती जैन, मंत्री रेखा चौपड़ा के साथ संघ के अरविन्द कोठारी, अनिल भडकतिया, ललित डाकलिया आदि उपस्थित थे। सोमवार को संघवी तेजराज गुलेच्छा परिवार द्वारा मन्दिर में ध्वजारोहण किया जाएगा। ध्वजारोहण के पूर्व दिवस में समस्त यात्रियों द्वारा परमात्मा महावीर स्वामी और दादा गुरुदेव की सेवा पूजा की गई।

मानसिक विक्षिप्त बच्चों की सेवा कर मनाया महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर महिला मंडल ने मातृश्री मनोविकास केन्द्र में रहने वाले मानसिक विक्षिप्त बच्चों के साथ मनाया। मंडल की55 सदस्याओं ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनकीसार संभाल की। मंहल ने आश्रम में चटाईयां व डायपर उपलब्ध कराए एवं महिलाओं ने अपने हाथों से खाना खिलाया। मंडल की अध्यक्षा मंजू बालिया, मंत्री संगीता धोका ने मानव सेवा की।

इसके सेवा कार्य के बाद महिलाओं ने एक होटल में महिला दिवस मनाया और अनेक रंगारंग व मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया।

कांतेश को टिकट नहीं मिलने के लिए मैं जिम्मेदार नहीं : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं वरिष्ठ नेता बीएस येडीयुरप्पा ने रविवार को कहा कि पार्टी नेता केएस ईश्वरप्पा के बेटे केई कांतेश को टिकट नहीं दिये जाने के लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं।

येडीयुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि टिकट वितरण का फैसला केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा किया जाता है, जिससे स्पष्ट है कि ईश्वरप्पा की धारणा गलत हो सकती है। उन्होंने कहा, मैं उम्मीदवारों को टिकट जारी नहीं करता हूं। संसदीय बोर्ड उम्मीदवारों पर निर्णय लेता है। मैं केवल सुझाव दे सकता हूं और केंद्रीय नेता निर्णय लेते हैं... मुझे नहीं पता कि कांतेश को हावेरी सीट से टिकट क्यों नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा कि ईश्वरप्पा भले ही नाराज हों, लेकिन वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में अवश्य शामिल होंगे। येडीयुरप्पा ने पार्टी निर्माण में ईश्वरप्पा की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के नेता उनसे संवाद करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि स्थिति में जल्द ही सुधार हो जायेगा। मोदी की कलबुर्गी में होने वाली रैली के बारे में पूछे जाने पर येडीयुरप्पा ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा कि 26 सीटों पर जीत पक्की है, 1-2 सीटों पर बदलाव संभव है। येडीयुरप्पा ने शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से विजय का भरोसा जताते हुए कहा कि बस यह देखना बाकी है कि पार्टी कितने मतों से जीतती है।

जीवन कल्याण के लिए त्याग जरुरी : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने प्रवचन में कहा कि धर्म व आत्मकल्याण के साधक को त्याग पसंद आता है। धर्म की बात में त्याग जरुरी होता है, धनसंचय नहीं। जीवन को सफल बनाने के लिए त्याग अति आवश्यक है। जीवन जीने के लिए धन अति आवश्यक है परन्तु जीवन के कल्याण के लिए धर्म और त्याग होना चाहिए। त्याग से जीवन में समता आती है और समता से जीवन कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होता है। इस अवसर पर बेंगलूरु, सिंधनूर, कलबुर्गी आदि शहरों से श्रावक श्राविका गुरुवंदनार्थ-दर्शनार्थ पहुंचे।

श्रीलंका ने भारत के 21 और मछुआरों को पकड़ा

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने उसके समुद्री क्षेत्र में कथित तौर पर मछलियां पकड़ने के लिए भारत के 21 और मछुआरों को गिरफ्तार किया है। नौसेना ने बताया कि मछुआरों को जाफना के डेफ्ट द्वीप के समीप शनिवार को पकड़ा गया और उन्हें कांकेसनथुरई बंदरगाह ले जाया गया है। उनकी नौकाओं को भी जब्त किया गया है।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने वेल्लर स्थित महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर के दर्शन कर श्रीपुरम नारायणी पीठ के पीठाधीश शक्ति अम्मा का आशीर्वाद लिया। गहलोत ने मंदिर परिसर का अवलोकन किया तथा विशेष पूजा की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com